सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 179 | जौनपुर, बुधवार, 27 मार्च 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

मोहब्बत की दुकान नफरत फैलाने के कारोबार – सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने एक बार फिर से कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन पर बड़ा वार किया है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आज कहा कि लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया ज्यों–ज्यों आगे बढ़ती जा रही है, त्यों–त्यों अपनी हाघ्र को निश्चय देखते हुए इंडी अलायंस के नेताओं की निराशा, हताशा, कुंठा जहरीली जुबान के रूप में बाहर आ रही है। उन्होंने कहा कि पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अनेक प्रकार के आपत्तिजनक, अभद्र, निंदनीय बयान दिए गए। अब भारत के अंदर विभाजनकारी व राष्ट्र की एकता पर आघात करने वाले बयानों तक आ गए हैं। अब, ऐसा लगता है कि यह तथाकथित मोहब्बत की दुकान नफरत फैलाने के कारोबार में है। त्रिवेदी ने दावा किया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के सांस्कृतिक मंत्री शिवराज तंगदागी ने कहा है कि मोदी, मोदी के नारे लगाने वाले छात्रों को थप्पड़ मारना चाहिए। मैं उन लोगों से पूछना चाहता हूं जो रोते रहते हैं कि देश में लोकतंत्र खत्म हो गया है, क्या राजनीतिक नारे लगाने पर किसी को थप्पड़ मारना उचित है? मैं कांग्रेस नेतृत्व से पूछना चाहता हूं कि क्या यह वही कांग्रेस है जो कभी महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर काम करती थी। उन्होंने कहा कि यह संकेत है कि वे हार की हताशा के कारण हिंसक हो सकते हैं... राहुल गांधी की कांग्रेस का गांधी की कांग्रेस से कोई लेना–देना नहीं है। ष्छक्प् गठबंधन सिर्फ हार की ओर ही नहीं बल्कि आत्म–विनाश की ओर भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने सीएए पर बोलते–बोलते एक विचित्र बयान दिया। उन्होंने कहा, श्भारत माता की जय और जय हिंद के नारे पहले दो मुसलमानों ने लगाए थे, इसलिए क्या इस नारे को त्याग देंगे।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के कारण इस साल की होली विशेष – अमित शाह

अहमदाबाद, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होने के कारण इस साल की होली विशेष है। शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने सोमवार को यहां भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों के साथ होली मनाई। शाह और पटेल ने यहां थलतेज इलाके में भाजपा के गांधीनगर लोकसभा कार्यालय में जुटे पार्टी नेताओं को रंग लगाया। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य मयंक नायक, विधायक अमित ठक्कर, गांधीनगर के महापौर हितेश मकवाणा, गुजरात भाजपा महासचिव के सी पटेल और कई अन्य उपस्थित थे। गत 22 जनवरी को अयोध्या में हुए राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए, शाह ने कहा कि इस साल होली सभी राम भक्तों के लिए विशेष है।

प्रधानमंत्री मोदी की विश्वसनीयता राजग को बिहार की सभी 40 लोकसभा सीट जीतने में मदद करेगी – गिरिराज

बिहार, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ''विश्वसनीयता'' के कारण भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय

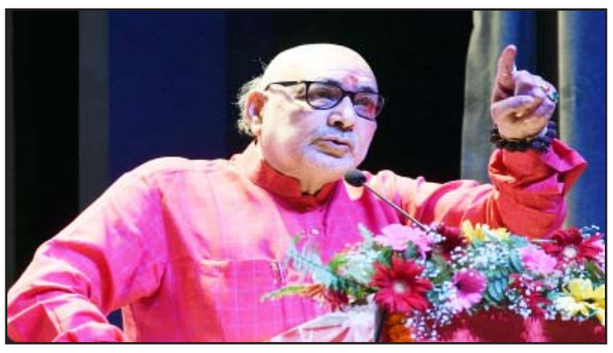

जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार की सभी 40 लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करेगा। बेगूसराय लोकसभा सीट से लगातार दूसरी बार चुनाव लड़ रहे गिरिराज सिंह ने कहा, ''मतदाता जानते हैं कि विकास ही प्रधानमंत्री का एकमात्र एजेंडा है। मैं अपनी विश्वसनीयता के बारे में निश्चित नहीं हूं। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री की विश्वसनीयता अद्वितीय है और उनके कारण ही राजग बिहार में बेगूसराय सहित सभी 40 लोकसभा सीट जीतेगा।''भाजपा नेता ने कहा कि आम जनता, गरीबों और किसानों के बीच प्रधानमंत्री की विश्वसनीयता बहुत अधिक है। भाजपा ने रविवार को बिहार की 17 लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की थी जिसमें बेगूसराय से सिंह भी शामिल हैं। पार्टी ने केंद्रीय मंत्री एवं बक्सर से मौजूदा सांसद अश्विनी कुमार चौबे सहित तीन मौजूदा सांसदों को इसबार टिकट नहीं दिया है।

सिंह के अलावा आरा से आरके सिंह और उजियारपुर से नित्यानंद अन्य केंद्रीय मंत्री हैं जिन्हें पार्टी ने दोबारा मैदान में उतारा है। बेगूसराय में किए गए विकास कार्यों के बारे सिंह ने कहा, ''संप्रग (विपक्षी कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन)शासन के दौरान इस निर्वाचन क्षेत्र की उपेक्षा की गई थी। संप्रग शासन के दौरान बेगूसराय को रिफाइनरी के 'डंपिंग यार्ड' में बदल दिया गया था।

पंजाब में अकेले चुनाव लड़ेगी भारतीय जनता पार्टी, अकाली दल से गठबंधन नहीं - सुनील जाखड़ बयान

पंजाब, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है, राज्य प्रमुख सुनील जाखड़ ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। पहले खबरें थीं कि बीजेपी शिरोमणि अकाली दल ''(।क्) के साथ गठबंधन कर सकती है. पंजाब में एक ही चरण में 1 जून को लोकसभा चुनाव होंगे। वोटों की गिनती 4 जून को होगी। शिअद, जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का पूर्व गठबंधन सहयोगी था, अब खत्म हो चुके कृषि कानूनों के विरोध में 2020 में गठबंधन से बाहर हो गया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पंजाब प्रमुख सुनील जाखड़ ने मंगलवार को कहा कि भगवा पार्टी पंजाब में आगामी आम चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने सीमावर्ती राज्य में शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के साथ गठबंधन से इनकार किया। जाखड़ ने कहा कि यह फैसला पंजाब के लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं की राय के आधार पर

लिया गया है. जाखड़ ने कहा, ष्यह फैसला राज्य में लोगों, पार्टी कार्यकर्ताओं की राय के आधार पर लिया गया। इसके साथ ही सुनील जाखड़ ने अकाली दल के साथ गठबंधन की किसी भी संभावना से इनकार कर दिया है. मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने इंडिया टुडे को बताया कि अकाली दल और भाजपा राज्य में सीट बंटवारे पर आम सहमति तक पहुंचने में असमर्थ रहे। बीजेपी को राज्य की 13 लोकसभा सीटों में से 5 पर जीत का भरोसा है। भाजपा के एक शीर्ष सूत्र ने कहा, ष्अगर शिरोमणि अकाली दल हमारी शर्तों पर सहमत होता है, तो गठबंधन को अंतिम रूप दिया जाएगा। लेकिन, उन्हें बातचीत की मेज पर आना चाहिए और हमें आश्वस्त करना चाहिए कि हमें पंजाब में लड़ने के लिए 5 सीटें मिलेंगी। कांग्रेस पार्टी ने उत्तर और मध्य भारत में देखे गए मोदी समर्थक रुझान को धता बताते हुए आठ संसदीय सीटें जीतीं। बाकी पांच सीटें बीजेपी, शिअद और आम आदमी पार्टी ने हासिल कीं। विवादास्पद कृषि कानूनों के कारण शिअद ने सितंबर 2020 में भाजपा के साथ अपना गठबंधन तोड़ दिया, जिसे तब से निरस्त कर दिया गया है। पंजाब के किसान फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

किसी भी भाषा में 'एक आतंकवादी आतंकवादी होता है' - एस. जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि किसी भी में ''एक आतंकवादी आतंकवादी होता है'' और अलग–अलग व्याख्या के आधार पर आतंकवाद का बचाव नहीं करने दिया जाना चाहिए। जयशंकर ने यह टिप्पणी सिंगापुर में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान की। इस सवाल का जवाब देते हुए कि भारतीय अधिकारी अपने वैश्विक समकक्षों के साथ संवेदनशील और भाषाई रूप से भिन्न विषयों पर कैसे संवाद करते हैं, मंत्री ने कहा कि कूटनीति में, विभिन्न देश अपनी संस्कृति, परंपराओं और कभी–कभी अपनी या अवधारणाओं को चर्चा में लाते हैं। उन्होंने कहा, ''यह भी स्वाभाविक है कि अलग–अलग दृष्टिकोण होंगे। कूटनीति का मतलब इसे सुलझाने और किसी तरह की सहमति पर पहुंचने का रास्ता ढूंढना है।'' जयशंकर ने कहा कि हालांकि कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं जब स्पष्टता होती है और कोई भ्रम नहीं होता है। उन्होंने आतंकवाद का उदाहरण देते हुए कहा, ''आप इसे किसी भी में ले सकते हैं, लेकिन आतंकवादी किसी भी में आतंकवादी ही होता है।' उन्होंने किसी भी देश का उल्लेख किए बिना कहा, ''आतंकवाद जैसी किसी चीज का केवल इसलिए कभी भी बचाव नहीं करने दें क्योंकि वे एक अलग का उपयोग कर रहे हैं या एक अलग स्पष्टीकरण दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि ऐसे मुद्दे हो सकते हैं जहां दो राष्ट्रों के वास्तव में अलग–अलग दृष्टिकोण हो सकते हैं और ''ऐसे मुद्दे भी होंगे जब उन्हें उचित ठहराने के लिए एक ढाल के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अंतर पहचानने और इससे निपटने का तरीका ढूंढने में सक्षम होना चाहिए।

अपने संबोधन में, जयशंकर ने स्वतंत्रता संग्राम के दिनों के भारत–सिंगापुर संबंधों का जिक्र किया जब सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की स्थापना की और दिल्ली चलो का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "वह (नेता जी) हमारे पूरे देश के लिए एक प्रत्यक्ष प्रेरणा बने हुए हैं।" जयशंकर ने यह बात तब कही जब वह नेताजी पर सिंगापुर में बनी लघु फिल्म की स्क्रीनिंग में लगभग 1,500 भारतीय प्रवासी सदस्यों के साथ शामिल हुए। जयशंकर ने यहां व्यापार केंद्रित भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे–जैसे भारत का वैश्वीकरण हुआ है, 'लुक ईस्ट' नीति के साथ शुरू हुए दोनों देशों के संबंध 'एक्ट ईस्ट' नीति के साथ आगे बढ़े हैं और... अब भारत हिंद–प्रशांत में शामिल हो गया है – कहानी कई मायनों में वास्तव में सिंगापुर में शुरू हुई। जयशंकर ने रेखांकित किया कि भारत का जितना अधिक वैश्वीकरण होगा, उसका हर पहलू सिंगापुर के साथ संबंधों की प्रगाढ़ता और गुणवत्ता में प्रतिबिंबित होगा। एशियाई वित्तीय केंद्र सिंगापुर की तीन दिवसीय यात्रा पर आए जयशंकर ने कहा, "सिंगापुर भारत के वैश्वीकरण में भागीदार रहा है और वह भूमिका और सहयोग कुछ ऐसा है जिसे हम महत्व देते हैं।" जयशंकर ने सिंगापुर स्थित भारतीय समुदाय को भारत में बुनियादी ढांचे के विकास की त्वरित गति के बारे में भी बताया और 'भारत एक वैश्विक मित्र है' पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "यह भारत है जो दबाव में नहीं आएगा, जो अपने मन की बात कहेगा। अगर उसे कोई विकल्प चुनना है, तो हम अपने नागरिकों के कल्याण का विकल्प चुनेगा... इसलिए, यह विचार अधिक मजबूत, अधिक सक्षम भारत का है जो कठिन रास्ता अपनाने को तैयार है।'' जयशंकर ने आश्वासन दिया कि यह एक ऐसा भारत है जो अपने नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों की देखभाल करता है। उन्होंने कहा, '' अधिक से अधिक संख्या में भारतीय दुनिया के विभिन्न हिस्सों में बस रहे हैं और उन्हें सुरक्षित करना, यदि वे किसी कठिन दौर में हैं तो उनका कल्याण सुनिश्चित करना, उन्हें स्वदेश लाना हमारी जिम्मेदारी है। यूक्रेन और सूडान का हवाला दिया गया जहां भारतीय संघर्ष के बीच फंस गए थे। उन्होंने चंद्रमा पर चंद्रयान के उतरने से मिले वैश्विक सम्मान की ओर इशारा किया। उन्होंने कोविड–19 के दौरान लगभग 100 देशों को टीकों की आपूर्ति की ओर इशारा करते हुए कहा, ''एक भारत है जो विश्व का मित्र है।'' जयशंकर ने कहा, ''हम कठिनाइयों के समय आगे आते हैं। भारत ने श्रीलंका के आर्थिक संकट के दौरान द्वीपीय देश को 4.5 अरब अमेरिकी डॉलर का पैकेज दिया। उन्होंने कहा, "आज हिंद महासागर में, अगर कोई समस्या है और लाल सागर में बहुत कठिन स्थिति है।

अरुणाचल पर चीन के दावे का सख्ती से खंडन करे सरकार – खरगें

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का एक अविभाज्य हिस्सा है और मोदी सरकार को चीन द्वारा इस राज्य पर दावा किए जाने का बहुत सख्ती से खंडन करना चाहिए। चीन ने सोमवार को एक बार फिर यह दावा किया कि अरुणाचल प्रदेश ''हमेशा'' उसका क्षेत्र रहा है। हालांकि भारत ने बीजिंग के दावे को ''बेतुका'' और ''हास्यास्पद'' बताकर खारिज कर दिया। खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि अरुणाचल प्रदेश भारत का एक अविभाज्य हिस्सा है। कांग्रेस अरुणाचल प्रदेश पर चीन के किसी भी दावे की कड़ी निंदा और विरोध करती है। यह एक महीने में चौथी बार है, जब चीन ने पूरी तरह से हास्यास्पद और बेतुके दावे किए हैं। स्थानों का नाम बदलकर और दूसरे देशों से संबंधित क्षेत्रों के नक्शे दोबारा बनाकर बेतुके दावे करने में चीन का रिकॉर्ड सर्वविदित है।

वेस्ट यूपी में सीएम योगी करेंगे धुआंधार प्रचार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में लोकसभा का चुनाव सबसे पहले पश्चिम क्षेत्र में होगा। यही कारण है कि इस क्षेत्र में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी अपनी तैयारी को अंतिम रूप देने की शुरुआत कर दी है। भाजपा ने भी अपने प्रचार के लिए रणनीति पूरी तरीके से तय कर ली है। माना जा रहा है कि 27 तारीख से उत्तर प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो सकती है। पश्चिमी क्षेत्र में जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कम से कम तीन सफाई हो सकती हैं तो वहीं योगी आदित्यनाथ भी अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। 27 मार्च से योगी आदित्यनाथ चुनावी दंगल में उतरेंगे। वह 27 से 31 मार्च तक प्रबुद्ध सम्मेलनों के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसकी शुरूआत भगवान श्री कृष्ण की नगरी मथुरा से होनी है। 27 को ही योगी आदित्यनाथ मेरठ और गाजियाबाद में भी चुनाव प्रचार में शामिल होंगे। 28 मार्च को बिजनोर, मुरादाबाद और अमरोहा में प्रस्तावित सम्मेलन है। 29 मार्च को शामली, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर के लिए निर्धारित सम्मेलनों और उसके बाद 30 मार्च को बागपत, बुलंदशहर और गौतम बुद्ध नगर में सम्मेलनों के साथ गति जारी है। 31 मार्च को अभियान के शुरुआती चरण की परिणति होगी, जिसमें बरेली, रामपुर और पीलीभीत के लिए सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। योगी आदित्यनाथ राज्य में बीजेपी के प्रचार अभियान का नेतृत्व करेंगे।

एनडीए के साथ हाल ही में आए राष्ट्रीय लोक दल अध्यक्ष जयंत चौधरी भी 28 मार्च से मैदान में उतरेंगे। मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठ के महंत योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को होली के पर्व के अवसर पर कहा कि आपसी वैमनस्य को समाप्त करके सत्य और न्याय के मार्ग पर चलकर ही हम समाज को शक्तिशाली बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि जहां विभाजन होगा, वहां समाज मजबूत नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म शोक और पश्चाताप में नहीं बल्कि उत्साह और आशावाद में विश्वास करता है और होली का पर्व भी यही संदेश देता है।

डायग्नोस्टिक सेन्टर को सील करने व एफ आई आर दर्ज करने का जिलाअधिकारी ने दिया आदेश

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मडियाहूँ का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मडियाहूँ का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भवन की भौतिक स्थिति संतोषजनक नही पायी, जिस पर सीएमओ की जिम्मेदारी तय किये जाने हेतु कहा गया। जिलाधिकारी ने भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जानकारी ली। उन्होंने ओपीडी रुम में जाकर पूछा कि कुल कितने मरीज देखे गये और इस दौरान किस तरह के मरीज अधिक आ रहे है। जिलाधिकारी ने दवाओं की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि सभी प्रकार की आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहे। टी0बी0 डाट्स केन्द्र पर जाकर जानकारी प्राप्त की कि कितने मरीजों का इलाज किया जा रहा है जिस पर प्रभारी चिकित्साधिकारी के द्वारा बताया गया कि लगभग 142 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। लैब में जाकर लैब टेक्निशियन मान सिंह से स्वास्थ्य जांच के सम्बन्ध में जानकारी ली जिस पर एलटी के द्वारा बताया गया कि लगभग 60–70 जॉचें की जाती है। आज कुल 16 लोगो का एक्सरे हुआ पाया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने अपने आखों की जांच भी करवायी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के बगल में स्थित डायग्नोस्टिक सेन्टर पर अप्रशिक्षित कर्मचारी कार्य करते पाये गये, जिस पर तत्काल रूप से डायग्नोस्टिक सेन्टर को सील करने और उपजिलाधिकारी एवं नोडल एसीएमओ को सम्बन्धित के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के साथ ही आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 एम.एस. यादव को निर्देश दिया कि सभी चिकित्सक समय से स्वास्थ्य केन्द्र पर उपस्थित रहकर मरीजों का इलाज करें। स्वास्थ्य केन्द्र पर साफ–सफाई का भी विशेष ध्यान रखा जाए। नियमित साफ–सफाई की जाए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी कुणाल गौरव, डा0 अरूण कुमार भारती, डा0 शाहिद अख्तर, डा0 दीवा, डा0 अरुण कुमार यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

एमवीए में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा के बीच शरद पवार ने की ठाकरे से मुलाकात

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के लिए सीट–बंटवारे को लेकर महा विकास आघाडी (एमवीए) में सहमति नहीं बन पाने के बीच सोमवार को राकांपा (शरदचंद्र पवार) के नेता शरद पवार ने उपनगरीय मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे के आवास पर उनसे मुलाकात की। पवार के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल भी थे। ठाकरे के निजी आवास मातोश्री में हुई बैठक में शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत भी मौजूद थे। महाराष्ट्र की पांच लोकसभा सीट पर मतदान होना है, जिसके लिए नामांकन दाखिल करने की समयसीमा खत्म होने में महज दो दिन बाकी हैं। एमवीए कथित तौर पर विभिन्न सीटों को लेकर अलग–अलग दावों के चलते सीट–बंटवारे का फॉर्मुला और

पहले चरण के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित नहीं कर पाया है। इस लिहाज से पवार और ठाकरे की मुलाकात को अहम माना जा रहा है। एमवीए में शामिल एक और पार्टी कांग्रेस महाराष्ट्र की कुल 48 सीटों में से 12 पर उम्मीदवारों के नाम घोषित कर चुकी है, जहां गठबंधन साझेदारों के साथ उसका सीधा मुकाबला नहीं है जबकि शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (शरदचंद्र पवार) को औपचारिक रूप से अपने उम्मीदवारों की घोषणा करनी है। इससे पहले राउत ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) मंगलवार को 15–16 उम्मीदवारों के नाम घोषित करेगी। ठाकरे ने संकेत दिया था कि मुंबई उत्तर–पश्चिम से अमोल कीर्तिकर, सांगली से चंद्रहार पाटिल और रायगढ़ से अनंत गेटे शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार होंगे।

संपादकीय

परिवर्तित लेंस

जब नरेंद्र मोदी सरकार ने संसद द्वारा पारित होने के चार साल बाद नागरिकता (संशोधन) अधिनियम को लागू करने के लिए नियमों को अधिसूचित किया, तो संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह नागरिकता (संशो धन) अधिनियम की अधिसूचना के बारे में चिंतित थी। 11 मार्च को। हम बारीकी से निगरानी कर रहे हैं कि इस अधिनियम को कैसे लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ध्धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान और सभी समुदायों के लिए कानून के तहत समान व्यवहार मौलिक लोकतांत्रिक सिद्धांत हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विदेश विभाग की टिप्पणियों को ष्गलत, गलत सूचना और अनुचितष बताया। इसमें कहा गया कि सीएए भारत का आंतरिक मामला है और यह भारत की समावेशी परंपराओं और मानवाधिकारों के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए है। बात यहीं खत्म नहीं हुई. उसी दिन, भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में इस मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के सिद्धांत लोकतंत्र की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा, ष्लेकिन आप सिद्धांतों को नहीं छोड़ सकते, चाहे आप दोस्तों के कितने भी करीब क्यों न हों, या यह आपके सबसे बड़े दुश्मन से आता हो, जब वे सिद्धांत हैं जिनके लिए आप खड़े हैं। एक दिन बाद, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने सामान्य कुतर्क, आध ो–अधूरे सच और संदर्भहीन ऐतिहासिक संदर्भों का मिश्रण करते हुए यह सुझाव दिया कि यह विभाजन का एक अधूरा वादा था, जबकि यह निश्चित रूप से मामला नहीं है। मामला फिलहाल वहीं शांत है लेकिन इस प्रकरण ने हाल के महीनों में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच मतभेद का एक और बिंदु प्रदर्शित किया है। मोदी सरकार के तहत धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ भारत के व्यवहार को द्विदलीय संयुक्त राज्य अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने प्रतिकूल रूप से नोट किया है, जिसने बार–बार सिफारिश की है कि भारत को विशेष चिंता वाले देश के रूप में नामित किया जाना चाहिए। जनवरी में, इसने सार्वजनिक रूप से कहा, "इस बात का कोई औचित्य नहीं है कि अपनी स्वयं की रिपोर्टिंग और बयानों के बावजूद, विदेश विभाग ने नाइजीरिया या भारत को विशेष चिंता वाले देश के रूप में नामित क्यों नहीं किया। यूएससीआईआरएफ ने कांग्रेस से हमारी सिफारिशों का पालन करने में विदेश विभाग की विफलता पर एक सार्वजनिक सुनवाई बुलाने का आह्वान किया है। इससे भी बड़ी चुनौती सिख अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून की हत्या के प्रयास से उत्पन्न हुई है, जहां अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा भारत की बाहरी खुफिया एजेंसी के एक संचालक को सह–साजिशकर्ता के रूप में उल्लेख किया गया है। अमेरिकी कांग्रेस जो बिडेन प्रशासन पर शिकराए के लिए हत्याश मामले पर भारत से दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई की मांग करने के लिए दबाव डाल रही है, यहां तक कि पिछले जून में अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान मोदी द्वारा बड़ी धूमध ाम से घोषित प्रीडेटर ड्रोन सौदे को भी खतरे में डाल दिया गया था। ब्लूमबर्ग ने बताया कि मोदी सरकार ने स्पष्ट रूप से अमेरिका को बताया है कि पन्नून को आधिकारिक मंजूरी के बिना काम करने वाले एक दुष्ट ऑपरेटिव द्वारा निशाना बनाया गया था। यह बात नई दिल्ली द्वारा अमेरिकी अधिकारियों को गैर–न्यायिक अंतरराष्ट्रीय हत्या के आरोपों की जांच के लिए नवंबर में मोदी सरकार द्वारा गठित जांच के निष्कर्षों के हिस्से के रूप में बताई गई थी। अमेरिका इसमें शामिल व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग कर रहा है, यह अनुरोध दक्षिण और मध्य एशिया के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने जनवरी में अपनी भारत यात्रा के दौरान किया था। हाल ही में कांग्रेस की सुनवाई के दौरान, लू ने संदेश दोहरायारू "हम इस समय भारत के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि भारत को इस भयानक अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। हम जो देख सकते हैं वह यह है कि भारत ने स्वयं घोषणा की है कि उन्होंने इस मामले को देखने के लिए एक जांच समिति बनाई है और हम उनसे न्याय सुनिश्चित करने के लिए जल्दी और पारदर्शी तरीके से काम करने के लिए कहते हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे मोदी सरकार नजरअंदाज नहीं कर सकती, खासकर तब जब उसे चीन का मुकाबला करने के लिए अमेरिका की जरूरत हो। पिछले महीने, रक्षा सचिव, गिरिधर अरमाने ने अमेरिकी अधिकारियों की उपस्थिति में कहा था कि 2020 में चीन के साथ लद्दाख सीमा संकट के दौरान एक चीज जिसने हमें जल्दी मदद कीष वह खुफिया जानकारी, स्थितिजन्य जागरूकता थी जो अमेरिकी सरकार और अमेरिकी उपकरण हमारी मदद कर सकते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि ष्एक आम खतरे के सामने एक–दूसरे का समर्थन करने का दृढ़ संकल्प हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा,ष उन्होंने दलील दी कि ष्हम उम्मीद करते हैं कि हमारा मित्र, अमेरिका, हमारे मामले में वहां मौजूद रहेगा। उनके समर्थन की जरूरत है। इसकी पुष्टि जयशंकर ने तब की जब उन्होंने तर्क दिया कि अमेरिका–चीन प्रतिस्पर्धा स्वस्थ है और उस समझौते से कहीं बेहतर है जो भारत को निचोड़ लेगा। सीमावर्ती क्षेत्रों में चीन के हाथों नियंत्रण खोने और मोदी के तहत सत्ता में व्यापक असमानता के कारण, भारत के हाथ बंधे हुए हैं। चीन एक ऐसा मुद्दा बना हुआ है जिस पर उसके हित अमेरिकी हितों के साथ मिलते हैं।

जब दुनिया को इसकी जरूरत है तो डब्ल्यूटीओ लड़खड़ा रहा

ललित

डब्ल्यूटीओ (एमसी13) का 13वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन हाल ही में अबू धाबी में हंगामे के साथ समाप्त हुआ, जिसमें 166–सदस्यीय संगठन के व्यापार मंत्रियों ने अपने प्रयासों को दिखाने के लिए बमुश्किल एक घोषणा पत्र तैयार किया। सच तो यह है कि दो संबंधित कारणों से एमसी13 से ज्यादा उम्मीदें नहीं थीं। सबसे पहले, संगठन संकट में फंस गया है, इसे आगे बढ़ाने के तरीके को लेकर सदस्यों के बीच गहरे मतभेद हैं। दूसरा, उनके बीच मतभेदों को दूर करने की जरूरत है, और प्रमुख देशों को अपने मतभेदों को हल करने के लिए पर्याप्त राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाने की जरूरत है। ये सामान्य वर्षों के दौरान भी लंबी–चौड़ी मांगें हैं, लेकिन जब 2024 की वास्तविकताओं को शामिल किया जाता है – विशेष रूप से अधिकांश प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में चुनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था में आसन्न मंदी – तो ये मांगें और भी अधिक चुनौतीपूर्ण लगती हैं। आज की वास्तविकता में, जब आर्थिक राष्ट्रवाद मंत्र बन गया है, व्यापार के लिए राजनीतिक समर्थन बहुत कम है। परियोजना वैश्वीकरण, जो उत्पादन नेटवर्क या वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के विस्तार से प्रेरित है, खुद को अस्थिर स्थिति में पाता है क्योंकि मूल्य श्रृंखलाएं धीरे–धीरे लेकिन निश्चित रूप से कमजोर हो गई हैं। महामारी ने एक और बड़ा झटका दिया। अंतिम कील पश्चिमी गठबंध ान और चीन के बीच राजनीतिक उथल–पुथल है जिसने पूर्व देशों को श्दुनिया के कारखानेश से अलग होने के प्रयास में अंतर्मुखी कर दिया। राजनीतिक उतार–चढ़ाव के बीच व्यापार की स्थिति कमजोर होने के कारण, डब्ल्यूटीओ को अबू धाबी में राजनीतिक समर्थन मिलने की संभावना कम ही थी। पिछले कई वर्षों में संगठन के बातचीत के एजेंडे को लेकर सदस्यों के बीच गंभीर मतभेद पैदा हुए। 2017 में मतभेद चरम पर पहुंच गए, जब कुछ देशों ने दोहा विकास एजेंडा (डीडीए) पर बातचीत बंद करने का फैसला किया, जिसे सदस्यों ने 2001 में सर्वसम्मति से अपनाया था। इन देशों ने (विदेशी) निवेश सुविधा, इलेक्ट्रॉनिक पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया संयुक्त वक्तव्य पहल (जेएसआई) के माध्यम से वाणिज्य और सेवाओं का घरेलू विनियमन। अहम बात यह है कि नए मुद्दों पर बातचीत शुरू करने पर सहमति नहीं बन पाई. इससे व्यापार में बहुपक्षवाद की भावना को करारा झटका लगा, जिसमें निर्णय आम सहमति से लिए जाते हैं। मराकेश समझौता, कानूनी उपकरण जिसने तीन दशक पहले डब्ल्यूटीओ की स्थापना की थी, ने कहा था कि यह सर्वसम्मति से निर्णय लेने की प्रथा को जारी रखेगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने बताया कि जेएसआई और उसके परिणामस्वरूप बहुपक्षीय समझौते बनाने का निर्णय डब्ल्यूटीओ के कानूनी दस्तावेज के अनुरूप नहीं था। लेकिन इन हस्तक्षेपों के बावजूद, इन समझौतों को बनाने के लिए बातचीत फिर भी आगे बढ़ी। डब्ल्यूटीओ के सदस्यों ने 2004 में सर्वसम्मति से विदेशी निवेश से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल नहीं करने का निर्णय लिया था। इसका तात्पर्य यह है कि निवेश सुविधा की बात करने के निर्णय ने न केवल आम सहमति नियम को तोड़ा, बल्कि पिछले

समझौते को भी तोड़ा। एमसी13 में, विकास के लिए व्यापार सुविधा पर समझौते को बहुपक्षीय समझौते के रूप में शामिल करने के लिए काफी दबाव था। प्रमुख विरोधियों में चीन भी शामिल था, अमेरिका ने अनैच्छिक रूप से खुद को बातचीत की प्रक्रिया से बाहर रखा था। इस समझौते में शामिल किए जाने के खिलाफ भारत के हस्तक्षेप से निवेश सुविधा को विश्व व्यापार संगठन से बाहर रखने में मदद मिली। लेकिन अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के हस्तक्षेप ने ष्आम सहमति नियमष को तोड़ने की हानिकारक मिसाल कायम करने से रोक दिया।

दिल्ली, कोलकाता और अपनेपन का एहसास

विनोद

किसी भी कथा में स्थान या स्थिति एक महत्वपूर्ण तत्व है। एक समाचार रिपोर्ट में भी उसकी तारीख के आगे एक स्थान पंक्ति होती है। अपने लेखन जीवन में किसी न किसी बिंदु पर, प्रत्येक लेखक, स्थान की संभावनाओं के प्रति जागरूक होने और उनके प्रति खुला होने के लिए बाध्य है। जब आप किसी जगह को छोड़ने वाले होते हैं तो आपको एक अजीब सा एहसास होता है... जैसे कि आप न केवल उन लोगों को याद करेंगे जिन्हें आप प्यार करते हैं, बल्कि आप उस व्यक्ति को भी याद करेंगे जो आप इस समय और इस जगह पर हैं, क्योंकि आप कभी ऐसा नहीं करेंगे। तेहरान में रीडिंग लोलिता के 68 वर्षीय ईरानी–अमेरिकी लेखक अजर नफीसी लिखते हैं, श्फिर कभी ऐसा ही हो। और यद्यपि मैं कभी भी अजीब भावनाओं वाला व्यक्ति नहीं था, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मैं काफी महत्वाकांक्षी होने के साथ–साथ थोड़ा कठोर स्वभाव का भी था, जब मैं पहली बार 2004 में दिल्ली आया और फिर 2008 में लंबी अवधि के लिए चला गया, तो मैं दृढ़ संकल्पित था अपने नए शहर के साथ एक रिश्ता बनाने के लिए, ताकि इसकी खोज में मैं वह सब पता लगा सकूं जो मैं इसकी संस्कृति, राजनीति और अपने अतीत के बारे में नहीं जानता था। मेरी दिलचस्पी भी इस जगह तक खास नहीं थी. एक लेखक की प्रेरणा अक्सर अपने तात्कालिक परिवेश, अपनी दुनिया को समझकर खुद को समझने की होती है। और जबकि यहां आने का मेरा सचेत उद्देश्य सत्ता के गलियारों के साथ अपने कार्यालय की निकटता के माध्यम से अपने व्यापार की बारीकियों को सीखना था, मैं अपने आप को गैर–कार्य–संबंधी अनुभवों तक सीमित नहीं रखना चाहता था, समाचारों के साथ उनके संबंधों का निरीक्षण करना चाहता था, उम्मीद है स्वयं कुछ सुर्खियाँ ढूँढ़ता हूँ और समय आने पर उन कहानियों को लिखता भी हूँ। हालाँकि, आप कहाँ से हैं, यह काम के सहकर्मियों और पड़ोसियों के बीच एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सवाल बना रहा। और भले ही मैं मछली नहीं खाता, युवा लोग आमतौर पर ऐसा नहीं करते क्योंकि इसके लिए तालू की एक निश्चित परिपक्वता की आवश्यकता होती है, ष्किताबें, दवा और मछलीष कभी भी स्वीकार्य उत्तर नहीं था। लेकिन उन वार्तालापों की परवाह कौन करता है जहां उत्तर पूर्वानुमेय हो? क्या आप? यह विडम्बना थी क्योंकि जब मैं उत्तर देता था तो मेरे पूछताछकर्ताओं ने भी मुझमें हीन भावना के अभाव पर ध्यान नहीं दिया। इसने राज्य के प्रश्न को उजागर किया। क्या दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए समान रूप से नहीं हैं? दिल्ली के मूल निवासी कौन हैं, पुराने शहर के मुसलमान या उनसे पहले के राजस्थानी? या क्या वे गुज्जर हैं जो शहर के कॉर्पोरेट कार्यालयों में अभी भी दुर्लभ हैं? काल्पनिक रूप से कहें तो, किसी भी विपक्षी दल के लिए (स्वागत योग्य) राजनीतिक लाभ से परे, अगर वह राष्ट्रीय राजध ानी क्षेत्र दिल्ली में सत्ता में है (क्योंकि लोकतंत्र में एक स्वस्थ विपक्ष एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है), तो क्या राज्य का दर्जा देने का कोई मतलब है? फिर मेरी एक और प्रामाणिक दिल्लीवाले से आंखें खोल देने वाली बातचीत हुई। उनका जन्म और पालन–पोषण दिल्ली में हुआ और वह, मेरे विपरीत, सिर्फ पांच बार के मतदाता और हाल ही में पुराने संपत्ति के मालिक नहीं हैं। काम से घर की यात्रा के दौरान, हम दोनों इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि क्या सिनेमाघरों में अकेले फिल्म देखना एकांत है और मैंने खुद को कोलकाता के पूर्ण सिनेमा के बारे में अपनी धारणा को याद करते हुए पाया। मेरे दोस्त अलग–अलग शहरों में चले गए हैं, कोलकाता में मैंने जो भी फिल्में देखी हैं उनमें से ज्यादातर मेरी खुद की हैं। उनमें से कुछ हॉल कई वर्षों से बंद हो गए हैं। पूर्णा सिनेमा एक ऐसा थिएटर था जिसके बारे में मेरे पिता ने मुझे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज के दिनों में बताया था। मेरा पालन–पोषण दुर्गापुर में हुआ और जन्म राउरकेला, ओडिशा में हुआ। कोलकाता में अपने सात वर्षों के दौरान, मैंने कम से कम एक बार पूर्णा जाकर फिल्म देखना सुनिश्चित किया। 1947 पृथ्वी इसका नाम था, और इसके अलावा, हॉल की मेरी याददाश्त गलियारों और सीधी पीठ वाली, खटमल वाली लकड़ी की कुर्सियों से आने वाली मूत्र की एक हल्की लेकिन विशिष्ट गंध है। लेकिन यह एक मूर्त स्मृति है, किसी भी लाल किले या कुतुब मीनार से कहीं अधिक। जब मैंने अपनी कहानी समाप्त की, तो मैंने अपने सहकर्मी से पूछा कि क्या मेरी तरह इंद्रप्रस्थ से शुरू करके सात शहरों वाले इस शहर में उसका भी कोई निजी तीर्थस्थल है, और उसने उत्तर दिया, वास्तव में, नहीं, और निर्दिष्ट किया कि यह यह दो शहरों, कोलकाता और दिल्ली के बीच अंतर का एक बिंदु था, और यही कारण है कि ष्पुराना किला उनके, जीवन में कभी भी टेंटपोल नहीं रहाष। दिल्ली बहुत बड़ी है, बहुत विस्तृत है और कम से कम एक सहस्राब्दी से अस्तित्व में है। जब कोई यहां किसी पुराने स्मारक पर जाता है, तो पहचान की कोई भावना नहीं होती है, इसलिए टेक–ऑफ का कोई मतलब नहीं होता हैय इसलिए वह अनुभव बिल्कुल पारलौकिक नहीं है। अपने अद्भुत इतिहास के बावजूद, दिल्ली में आपको जो कुछ भी मिलता है वह यहीं और अभी है। उस स्थान से इतने लोग आये और गये कि कदमों का निशान ही नहीं रहा। दूसरी ओर, कोलकाता युवा और छोटा है, जो 330 वर्षों से कुछ अधि ाक समय से विद्यमान है। इसमें लोकसाहित्य है। दिल्ली और कोलकाता के बीच अगला महत्वपूर्ण अंतर इसके निवासियों से संबंधित है। जो लोग इसके कार्यालयों और पड़ोस को आबाद करते हैं वे अपना करियर और परिवार बनाने के लिए वहां आते हैं। वे अक्सर नीरस और काफी हद तक अलग–थलग जीवन जीते हैं। कोलकाता में, यदि कोई चुटकुला या स्मार्ट स्पिन–ऑफ बनाता है, तो यह विश्वविद्यालय के हलकों और पीढ़ी दर पीढ़ी घूमता रहता है, जब तक कि यह अंततः हर बंगाली ड्राइंग रूम तक नहीं पहुंच जाता। यहां तक कि मुफस्सिल उपनगरों के अंदर बसे युवाओं को भी नहीं छोड़ा गया है, जैसा कि आज के व्हाट्सएप फॉरवर्ड के मामले में है। हमारे सामाजिक दायरे सिर्फ सह नहीं हैं केन्द्रित, वे ओवरलैप करते हैं।

इससे अधिक लोककथाएँ उत्पन्न होती हैं। तीसरा अंतर? कोलकाता में गरीब उदार और मिलनसार हैं, जबकि अमीर ऊपर से गतिशील हैं।

दिल्ली में गरीबों के लिए संघर्ष कठिन है. यहां इसका उलटा है. यह अमीर ही हैं जो कभी–कभी दयालु होते हैं। चौथा। कोलकाता में, बसों और बाजारों में सार्वजनिक जीवन शहरी है।

वनों की रक्षा करें और उनका संवर्धन करें, अन्यथा गर्मी का सामना करें

आसिफ

इस दिन को विश्व वानिकी दिवस के रूप में मनाने के लिए दुनिया भर में कार्यक्रम देखे गए। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2012 में इस दिन की घोषणा की थी। तब से यह दिन हमारे जीवन में वनों की

महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनके संरक्षण और टिकाऊ प्रबंधन के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है। इस अवसर पर, अपने अभिवादन में, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने याद किया कि कैसे तेलंगाना ने अपने शासन के लगभग एक दशक में हरित आवरण को आठ प्रतिशत तक बढ़ाया। भले ही दावा लगभग सच हो, यह एक बड़ी उपलब्धि होगी जो स्वयं सरकार के मुखिया के गंभीर प्रयास से संभव नहीं हो सकती थी। केसीआर ने तेलंगाना के कुल भौगोलिक क्षेत्र में वन क्षेत्र को 24: से बढ़ाकर 33: करने के लिए 2015 में बहुत धूमध ाम से हरिता हरम की शुरुआत की। सभी की हार्दिक इच्छा है कि वर्तमान मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी भी पर्यावरणीय गिरावट की गंभीरता को समझें और इस कार्यक्रम को और अधिक जोश के साथ आगे बढ़ाएं। ।कअमतजपेमउमदज कोई भी जलवायु परिवर्तन यानी औसत मौसम की स्थिति और वनों में महत्वपूर्ण भिन्नता के बीच संबंध पर अधिक जोर नहीं दे सकता है। जीवाश्म ईंध ान जलाने, जंगलों को काटने और पशुधन की खेती से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। जिसके संयुक्त परिणाम के रूप में, भारी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसें ग्रह को इतना गर्म कर रही हैं जितना पहले कभी नहीं हुआ था। पहले से ही, जलवायु.जीओवी के अनुसार, 1850 में वैश्विक रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से 2023 सबसे गर्म वर्ष था, जिसमें तापमान 20 वीं शताब्दी के औसत से 2.12 डिग्री फारेनहाइट (1.18 डिग्री सेल्सियस) अधिक था। रिकॉर्ड में दर्ज 10 सबसे गर्म वर्ष पिछले दशक में घटित हुए हैं। पिछले वर्ष बवंडर, चक्रवात, हिमनद विस्फोट, जंगल की आग की रिकॉर्ड तोड़ घटना देखी गई। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, 2024 भी वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के लिए एक और रिकॉर्ड वर्ष बनने जा रहा है। इसलिए, हम केवल अपने जोखिम पर ही प्रकृति की दुर्दशा को नजरअंदाज कर सकते हैं। महात्मा गांधी के इस कथन को याद करने का समय आ गया हैरू ष्हम दुनिया के जंगलों के साथ जो कर रहे हैं वह इस बात का दर्पण प्रतिबिंब है कि हम अपने और एक दूसरे के साथ क्या कर रहे हैं।ष ऐसे में, कई संबंधित नागरिक भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में सरकार को श्वनश शब्द के शाब्दिक अर्थ का पालन करने के निर्देश पर आश्चर्यचकित हुए होंगे। यह पहली बार नहीं है कि सरकार को यह समझने के लिए कहा गया है कि क्या है वन, प्रथम स्थान पर है। न्यायमूर्ति जे एस वर्मा और न्यायमूर्ति बी एन किरपाल का 1996 का फैसला इस प्रकार है। जंगल शब्द को उसके शब्दकोश अर्थ के अनुसार समझा जाना चाहिए। यह विवरण वैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त सभी वनों को शामिल करता है, चाहे उन्हें आरक्षित, संरक्षित या अन्यथा के रूप में नामित किया गया हो... वन भूमि शब्द में न केवल वन शामिल होंगे, जैसा कि शब्दकोश अर्थ में समझा जाता है, बल्कि सरकारी रिकॉर्ड में वन के रूप में दर्ज कोई भी क्षेत्र शामिल होगा, भले ही वह कुछ भी हो। स्वामित्व।ष 19 फरवरी को भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध यक्षता वाली तीन–न्यायाधीशों की पीठ ने वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (एफसीए) में 2023 संशोधनों को इस आधार पर चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए इसकी पुष्टि की। वन की परिभाषा को काफी हद तक कमजोर कर दिया गया और अधिनियम के दायरे को कम कर दिया गया। हरित कार्यकर्ताओं की प्रमुख चिंताओं में से एक यह रही है कि वनवासियों के अधिकारों और दावों के प्रति सरकारों की उदासीनता। उद्योगों के लिए विकास के नाम पर वनों का विनाश और खनन देश के पारिस्थितिकी तंत्र पर पारिस्थितिक कहर बरपा रहा है और इसकी पर्यावरणीय सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है। मानव आवासों में वन्यजीवों की घुसपैठ की घटनाएं बढ़ रही हैं और परिणामस्वरूप संघर्ष, दोनों पक्षों पर भारी पड़ रहा है। वन्यजीवों के लिए पानी और खाद्य सुरक्षा की बुनियादी सुरक्षा सुनिश्चित करने पर सरकार का ध्यान नहीं जा रहा है। यह दुखद है कि सरकारें वन्यजीव संरक्षण, वन संरक्षण और पुनर्रोपण के बजाय आर्थिक, रणनीतिक, राजनीतिक और अन्य विचारों से अधिक निर्देशित होती हैं।

शिक्षा में मददगार साबित होता डिजिटल साक्षरता

आदित्य

जम्मू डिजिटल तकनीक के विकास ने भारत के जिन क्षेत्रों को सबसे अधिक लाभ पहुंचाया है उसमें शिक्षा भी प्रमुख है. इसकी मदद से न केवल शहरी बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की किशोरियां भी अपनी शैक्षणिक बाधाओं को दूर कर रही हैं. डिजिटल साक्षरता ग्रामीण भारत में किशोरियों को शैक्षिक संसाधनों की एक ऐसी विशाल श्रृंखला तक पहुंच प्रदान करती है जो पहले उनकी पहुंच से बाहर थी. मोबाइल फोन के माध्यम से इंटरनेट तेजी से सुलभ होने के साथ साथ किशोरियां अब ऑनलाइन पाठ्यक्रम, शैक्षिक वीडियो और ई–पुस्तकों तक पहुंच सकती हैं. यह पहुंच भौगोलिक बाधाओं को भी पार कर रही है, जिससे दूरदराज के गांवों में भी उन्हें गणित से लेकर कोडिंग, भाषा से लेकर विज्ञान तक विषय सीखने का अवसर मिल रहा है. डिजिटल प्लेटफॉर्म अक्सर स्थानीय भाषाओं में सामग्री प्रदान करते हैं, जिससे उन किशोरियों के लिए भी सीखना अधिक सुलभ और आकर्षक हो गया है जिनकी पहली भाषा अंग्रेजी नहीं है. देश के अन्य दूर दराज ग्रामीण इलाकों के साथ साथ जम्मू के सीमावर्ती जिला पुंछ के ग्रामीण क्षेत्रों की किशोरियां भी इसका एक उदाहरण हैं. जहां तबस्सुम रफीक, जुबैदा चौधरी और सैय्यदा आयरा जैसी किशोरियों ने डिजिटल डिवाइस के माध्यम से अपना भविष्य रोशन किया है. तबस्सुम रफीक 17 वर्षीय किशोरी है जो पुंछ के बांडी चेंचियां गांव की रहने वाली है. वह वर्तमान में 11वीं कक्षा की छात्रा है. तबस्सुम के अनुसार ष्जब मैं 10वीं कक्षा में थी, तो मेरा सपना क्लास में अच्छा प्रतिशत हासिल करना था. इसी उद्देश्य से मैं कोचिंग संस्थान से जुड़ना चाहती थी, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति और घर से कोचिंग संस्थान की दूरी के कारण मैं इसमें शामिल नहीं हो सकी. तब मेरे पिता ने एक स्मार्टफोन खरीदा और मुझे पढ़ाई के लिए दिया. जिसमें यूट्यूब का इस्तेमाल कर मैंने विभिन्न विशेषज्ञों के माध्यम से अपने विषयों को गहराई से समझना शुरू किया, जिसकी बदौलत मैंने 10वीं बोर्ड में 85 प्रतिशत अंक हासिल करने में सफलता प्राप्त की.ष वह बताती है कि, ष्विभिन्न मुद्दों के कारण स्कूल में सब कुछ सीखना और समझना काफी कठिन था, कभी–कभी हमें संकाय उपलब्ध नहीं होते हैं तो कई बार विषयों को पढ़ाने के लिए पर्याप्त शिक्षक नहीं होते हैं. मेरे फिजिक्स और केमिस्ट्री विषय कमजोर थे, इसलिए मैंने कोचिंग लेकर उन पर काम करने का सोचा, लेकिन यह विचार योजना के अनुसार पूरा नहीं हुआ. इसलिए मेरे पिता ने मुझे पढ़ाई के लिए यूट्यूब का उपयोग करने का सुझाव दिया. इन डिजिटल टूल्स की वजह से मुझे सीखने और पढ़ने में काफी मदद मिली. इससे मेरी पढ़ाई बहुत आसान और मजेदार हो गई, जिससे मैं बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने में सफल हुई.श्श ग्रामीण क्षेत्रों में, विशेष रूप से निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों की कई लड़कियां हैं जो अपने परिवार पर कोई वित्तीय बोझ डाले बिना अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रही हैं. इसी गांव की 19 वर्षीय जुबैदा चौध ारी कहती हैं कि ष्मैं पढ़ लिख कर आगे बढ़ना चाहती थी. लेकिन मेरी सरकारी स्कूल की पृष्ठभूमि के कारण, मैं निजी स्कूलों के छात्रों की तुलना में हीन महसूस करती थी. मैंने अपने विषयों को व्यापक और बेहतर तरीके से सीखने के लिए डिजिटल टूल का उपयोग करने पर कुछ अतिरिक्त समय खर्च करना शुरू किया, इससे मुझे बहुत मदद मिली. मेरे घर की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है इसलिए मैं हर किताब खरीद कर पढ़ने में सक्षम नहीं थी. इस मामले में इंटरनेट और गूगल जैसे तमाम डिजिटल प्लेटफॉर्म मेरे लिए मददगार साबित हुए.श्श जुबैदा कहती है कि श्मेरे इलाके की कई अन्य लड़कियां भी इंटरनेट के इस सकारात्मक और मददगार तरीके का बखूबी इस्तेमाल कर रही हैं. हम लड़कियां आर्थिक रूप से भले ही कमजोर हैं लेकिन शिक्षित बनने की हमारी इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प बहुत मजबूत है और इस यात्रा में डिजिटल दुनिया हमारे लिए एक वरदान है.श जैसे–जैसे शिक्षा की आवश्यकता और जागरूकता बढ़ी है, शिक्षा के महत्व के प्रति लड़कियों के दृष्टिकोण में भारी बदलाव आया है. पहले ग्रामीण इलाकों में 10वीं तक पढ़ाई करने वाली लड़कियां कभी भी अपने भविष्य के बारे में नहीं सोचती थीं, लेकिन अब परिदृश्य काफी बदल गया है. बांडी चेचियां के करीब एक गांव कस्बा की 21 वर्षीय सैय्यदा आयरा स्नातक की छात्रा है. उसका सपना पढ़ाई के बाद लोक सेवा आयोग की परीक्षा देने और एक अधिकारी बनने का है. वह बताती है कि ष्एक बार यूट्यूब पर स्क्रॉल करते समय मुझे जम्मू और कश्मीर लोक सेवा आयोग के बारे में विस्तृत जानकारी मिली. काफी शोध करने के बाद मुझे इस क्षेत्र में अपनी रुचि से संबंधित विषयों के बारे में जानकारियां प्राप्त हुईं. मैं उन विषयों का पीडीएफ डाउनलोड करने के लिए गूगल जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करती हूँ. मैं व्याख्यान के लिए यूट्यूब और परीक्षा देने के लिए टेस्ट बुक एप्लिकेशन का उपयोग कर रही हूँ.ष डिजिटल प्लेटफॉर्म की मदद से आयरा को उम्मीद है कि वह अब लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर राज्य प्रशासन में एक अधिकारी बनने के अपने सपने को पूरा करने में सक्षम हो गई है. यह सिर्फ तबस्सुम रफीक, जुबैदा चौधरी और सैय्यदा आयरा की कहानी नहीं है, बल्कि इनके जैसी ग्रामीण इलाकों की कई लड़कियों ने डिजिटल साक्षरता के माध्यम से एक नए बदलाव की शुरुआत की है. वह इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म का बखूबी इस्तेमाल कर रही हैं. डिजिटल दुनिया ने निस्संदेह उन लड़कियों का हाथ थामा है, जिन्होंने संसाधनों की कमी के कारण पढ़ाई छोड़ दी होगी या फिर उन्हें उतनी जानकारी नहीं थी, जितनी अब है. इसके अलावा गूगल या यूट्यूब इन किशोरियों के लिए एक अनुकूल मंच साबित हुआ है जहां कई संसाधन उन्हें मुफ्त में उपलब्ध हो रहे हैं.

इसकी वजह से अब लड़कों और लड़कियों की शिक्षा के बीच का अंतर भी कम हो गया है. जो लड़कियां कभी अपने घर की चारदीवारी से बाहर किसी चीज के बारे में सपने नहीं देखती थीं, वे अब प्रबुद्ध, शिक्षित, स्वरोजगार और आत्मनिर्भर बनने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रही हैं, जिससे समाज को अपनी मानसिकता बदलने का स्पष्ट संदेश मिल रहा है. वह बता रही हैं कि डिजिटल साक्षरता के माध यम से अब ग्रामीण भारत की किशोरियां भी शिक्षा के क्षेत्र में सशक्त होकर अपने सपनों को पूरा कर रही हैं. यह आलेख संजॉय घोष मीडिया अवार्ड 2023 के तहत लिखा गया है।

ईश्वर का कोप या फिर संयोग, चार बेटों में तीन की रेल से कटकर मौत

क्राइम ब्यूरो धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर/सरायख्वाजा। स्थानीय थाना क्षेत्र स्थित राजेपुर गांव में एक दलित परिवार के चार पुत्रों में दस वर्षों में तीन बेटों की ट्रेन से कटकर मौत हो जाने से परिवार में गमों का पहाड़ टूट गया है वहीं समूचे गांव को स्तब्ध कर दिया है।

ज्ञातव्य है कि उक्त गांव निवासी दलित परिवार के शंकर उर्फ बैजू राम का तीसरा बेटा दिनेश राम 35 वर्ष ने मंगलवार की रात में गायब हो गया और उसके ट्रेन से कटकर मौत की खबर बुधवार को सुबह गांव वालों ने दिया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। इसके पूर्व शंकर के सबसे बड़े बेटे मोहन की मौत दस वर्षों पूर्व में ट्रेन से कटकर हों चुकी है जबकि दूसरे बेटे करिया की मौत पांच साल पहले ट्रेन से कटकर हों चुकी है अब तीसरे बेटे दिनेश राम की मौत मेहरावां रेलवे स्टेशन के दक्षिणी आउटर सिंगनल खम्भौरा गांव के पास मंगलवार की रात में किसी ट्रेन से कटकर मौत हो गई बुधवार को सुबह गांव वालों ने शव की खबर दी। चौथा बेटा गुड्डू वाराणसी में शिक्षक हैं। सबसे ज्यादा हैरानी की बात है कि तीनों भाईयों ने दस वर्षों में एक ही स्थान पर ही ट्रेन से कटकर आत्महत्या की हैं।शंकर और उसके परिवार में गमों का खौफ हैं वहीं गांव के लोग स्तब्ध है।इसे ईश्वर का कोप कहें या पूर्व की करनी।

पूर्व में ट्रेन से कटकर जान देने वाले मोहन और करिया अविवाहित रहे लेकिन दिनेश कुमार की पत्नी और दो संतानें हैं बूढ़े मां बाप भाई गूड्डू की रो रो कर बुरा हाल है। छोटे छोटे बच्चों को देखकर लोग स्तब्ध और द्रवित हैं। जों भी हैं लोग इसे भगवान का कोप बता रहे हैं।

दो पक्षो में जमकर चली लाठियां, दोनों पक्षों से सात लोग गंभीर रूप से घायल, चार रेफर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नेवढ़िया थाना क्षेत्र के नोनारी गाँव में मंगलवार सुबह दो पक्षों में जमकर लाठियां चली जिसमे दोंनो पक्षो से सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए,सूचना पर पहुची पुलिस घायलों को अस्पताल भेजकर आवश्यक कार्यवाही में जुटी है।थाना क्षेत्र के नोनारी गाँव मे दो दिन पूर्व होलिका दहन करने को लेकर क्षत्रिय और जायसवाल विरादरी में कहासुनी हुई थी उसी बात को लेकर मंगलवार को दोनों पक्ष आमने सामने हो गए और दोनों पक्षों में जमकर लाठियां चली जिसमे एक पक्ष से संजय जायसवाल 40 वर्ष,कंचन 38 वर्ष,संतलाल 35 वर्ष, अजय 42 वर्ष,किशन 25 वर्ष,मुकेश 22 वर्ष व दूसरे पक्ष से अरुण सिंह 45 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए।वही सूचना पर पहुची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर भेजकर आवश्यक कार्यवाही में जुट गई। वही डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर पहले पक्ष से संजय, संतलाल, किशन, मुकेश को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।वही दोनों पक्षों ने थाने पहुचकर लिखित तहरीर दे दिया है।इस संबंध में थानाध्यक्ष नेवढ़िया प्रशांत पांडेय ने बताया कि मारपीट की सूचना मिली है जांचकर उचित कार्यवाही की जाएगी।

उड़नदस्ता टीम ने ली चार पहिया वाहनो की सघन तलाशी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मछलीशहर थाना अंतर्गत आयोग के निर्देश पर गठित उड़नदस्ता टीम ने नगर के मीरपुर तिराहे सहित क्षेत्र के कई स्थान पर चेकिंग अभियान चलाकर वाहनों की तलाशी ली। हालांकि टीम को वाहनों से कुछ भी संदिग्ध हासिल नहीं हुआ।

उड़नदस्ता टीम के मजिस्ट्रेट धर्मेन्द्र सिंह के नेतृत्व में मछलीशहर नगर के मीरपुर चौराहे, वारी नहर की पुलिया सहित कई स्थान पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। मछलीशहर और मड़ियाहूं रोड़ से गुजरने वाले गुजरने चार पहिया वाहनों की सघन तलाशी ली। तलाशी से वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा। टीम ने मछलीशहर के ब्लॉक प्रमुख गोपेश यादव की गाड़ी की भी तलाशी ली ।टीम के प्रभारी ने बताया करीब तीन दर्जन वाहनों की सघन तलाशी ली गई है। किसी भी वाहन से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। तलासी टीम में एस आई इंद्रमणि यादव, हेड कांस्टेबल वीर बहादुर, संदीप यादव व कैमरामैन राम अजोर यादव शामिल रहे।

भाजपा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह ने किया डोर टू डोर जनसंपर्क

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के जौनपुर लोकसभा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह का सघन जनसंपर्क अभियान की शुरुआत हो गई है। इसी क्रम मे जौनपुर नगर के मोहल्ला मियांपुर में राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने समर्थकों के साथ विभिन्न इलाके का सघन दौरा कर घर–घर जनसम्पर्क कर लोकसभा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह के पक्ष में वोट एवं सपोर्ट का आग्रह किया। और साथ ही यह भी बताएं कि उनके क्षेत्र में केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से क्या बदलाव हुए हैं। लोकसभा चुनाव मे भाजपा अन्य दलों से एक कदम आगे चल रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने डोर टू डोर संपर्क शुरू कर दिया है, जबकि कांग्रेस सपा और बसपा कार्यकर्ता बैठकों तक सीमित है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर लोगों से भाजपा के पक्ष में वोट डालने की अपील की। कृपाशंकर सिंह ने लोगों को बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन वितरण किया जा रहा है। आवास योजना से 4 करोड़ से अधिक गरीबों को पक्का घर नसीब हुआ। आज जल जीवन मिशन से 14 करोड़ घरों में नल से जल और 100 प्रतिशत घरों में बिजली पहुंची है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 11.8 करोड़ किसानों के खातों में 2.8 लाख करोड़ की सीधी आर्थिक मदद की जा रही है। इस दौरान उनके साथ मीडिया पैनलिस्ट ओम प्रकाश सिंह, डॉ रामसूरत मौर्या, रविन्द्र प्रताप सिंह, अजीत सिंह, रत्नाकर सिंह, शशि सिंह, विष्णु प्रताप सिंह, नंदलाल यादव, सीमा तिवारी, ओ पी सिंह, जसविन्दर सिंह, सर्वेश सिंह, राहुल सिंह, सिद्धार्थ सिंह, डॉ कमलेश निषाद के साथ भाजपा समर्थक उपस्थित रहे।

जादू टोने का आरोप लगाकर पट्टीदारों ने लाठी से पीटकर तीन को किया घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के छितौना गांव में सोमवार रात जादू टोने का आरोप लगाते हुए मनबढ़ो ने मारपीट कर तीन लोगों कोध घायल कर दिया। मनबढ़ो ने चेतावनी दिया कि अगर कोई कार्रवाई की तो पूरे परिवार कोध जान से मार दिया जाएगा। पीड़ितों ने पुलिस को सूचना दी, पुलिस आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है। गांव के सुनील यादव अपने पड़ोसी मेंध पट्टीदार के घर गये और उनकी पोती की तबियत का हाल चाल पूछा। तबियत पूछने के बाद पट्टीदारों ने आरोप लगाते हुए कहाकि तुम लोगों ने जादू टोने करके मेरी पोती की तबियत खराब कर दिया। इसी का विरोध करने पर पट्टीदारों ने सुनील यादव को लाठी डण्डो से पीटने लगे, शोरगुल की आवाज सुनकर जब सुनील की बहन रानी यादव व पत्नी आरती यादव आई तो मनबढ़ो ने उन्हें भी पीटकर घायल कर दिया और चेतावनी दिया कि कोई कार्रवाई कराया गया तो पूरे परिवार को जान से मार दिया जाएगा। घायलावस्था में सभी को एक प्राइवेट चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। मंगलवार को सूचना मिलने पर पुलिस ने सभी का मेडिकल कराया। जहां स्थिति गंभीर देख चिकित्सक ने सुनील यादव को जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया। इस बाबत मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक केराकत दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि सम्बंधित मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

चुनाव संबंधी शिकायत हेतु ऑनलाइन सी–विजिल एप का प्रयोग करें – उप जिला निर्वाचन अधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्तमान में चल रहे लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन एवं अन्य विभिन्न प्रकार की शिकायत करने तथा उसके निस्तारण हेतु आनलाइन सी–विजिल एप विकसित किया गया है। उक्त एप पर चुनाव की घोषणा के दिनांक से मतदान दिवस तक शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत अपलोड की जा सकती है। सी–विजिल एप का प्रयोग करने हेतु स्मार्टफोन पर गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर अपना मोबाइल नम्बर डालकर ओटीपी के माध्यम से एप में लागिन कर शिकायत दर्ज की जा सकती है। सी–विजिल एप एक जी.आइ.एस. आधारित एप है जिसमें साक्ष्य के तौर पर केवल लाइव फोटो, वीडियो, आडियो ही अपलोड किया जा सकता है। शिकायत अपलोड होने के उपरान्त 100 मिनट के अन्तर्गत ही शिकायत का निस्तारण सम्बन्धित अधिकारी द्वारा उसी एप के माध्यम से सुनिश्चित किया जाना है। निस्तारण के पश्चात् विवरण शिकायतकर्ता के सी–विजिल एप पर स्वतः उपलब्ध हो जायेगा। उन्होंने सभी से अपील किया है कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन के सम्बन्ध में आनलाइन शिकायत हेतु आयोग द्वारा विकसित सी–विजिल एप का प्रयोग करें।

जानलेवा हमले का आरोपित शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया

जौनपुर। खुटहन थाना अंतर्गत थाना परिसर में बीते 19 जनवरी को दो पक्षों के बीच हुई जमकर मारपीट के मामले में दर्ज हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं के मुकदमे में आरोपित बनाए गए शिक्षक को सोमवार की रात पुलिस ने उसे पोटरियां मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कार्रवाई के बाद उसे चलान न्यायालय भेज दिया गया। इसके पूर्व इसी मामले में जिला पंचायत सदस्य सूबेदार सिंह को भी पुलिस जेल भेज चुकी है। सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के बस्ती बंदगांन गांव निवासी अधिवक्ता पद्माकर उपाध्याय का आरोप था कि उसके और पड़ोसी दिनेश सिंह के बीच तालाब की भूमि को लेकर विवाद चला आ रहा था। 19 जनवरी की शाम वह अपने तीन भाइयों के साथ कार में बैठ जौनपुर शहर से वापस घर आ रहा था। मल्हनी बाजार के पास रास्ते में पहले से घात लगाए स्कार्पियो वाहन में बैठे जिला पंचायत सदस्य सूबेदार सिंह, विशाल सिंह, दिनेश, अरविंद और सत्यप्रकाश सिंह ने उसका पीछा कर लिया। बचाव के लिए वह अपना वाहन तेज भगाते हुए खुटहन थाने में गाड़ी सहित भीतर प्रवेश कर गये। तभी पीछे से स्कार्पियो सवार भी गाड़ी थाने के अंदर ले जाकर हाकी और डंडा से हम चारों को पीटकर घायल कर दिये। वहीं जिला पंचायत सदस्य के पक्ष ने आरोप लगाया था कि हम लोग खुद के बचाव के लिए थाने में भागे थे। जहां अगला पक्ष मारपीट करने लगा। मामले में घायल अधिवक्ता पद्माकर उपाध्याय की तहरीर पर पुलिस ने जिला पंचायत सदस्य सहित पांच के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया था। घटना के दूसरे दिन सूबेदार सिंह और विशाल सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही थी। प्रभारी निरीक्षक संजय वर्मा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सोमवार की शाम आरोपित सत्यप्रकाश सिंह को पोटरियां मोड़ से गिरफ्तार कर लिया गया। आवश्यक कार्रवाई के बाद चालान न्यायालय भेज दिया गया।

खेल से होता है शारीरिक एवं मानसिक विकास – सुधांशु

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बक्शा विकास खंड के चुरावनपुर गांव में बुधवार को बालीबाल खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मई ग्राम पंचायत के नेहरू युवा मंडल अध्यक्ष मुख्य अतिथि सुधांशु शेखर मिश्रा ने फीता काटकर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल से शारिरिक एवं मानसिक विकास होता है। खेलकूद प्रतियोगिता की अध्यक्षता कर रहें नेहरू युवा मंडल गढ़ाबाघराय एवं नेहरू युवा मंडल संघ के ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि खेलकूद आयोजन से युवाओं के बीच आपसी सौहार्द का वातावरण बना रहता है। आयोजक नेहरू युवा मंडल एवं युवक मंगल दल अध्यक्ष शिव कुमार उपाध्याय ने आये हुए लोगों के प्रति आभार जताया। इस दौरान नेहरू युवा मंडल सचिव नवनीत उपाध्याय, सर्वेश उपाध्याय, आजाद कनौजिया, प्रदीप तिवारी, गोविन्द पाल, सूरज तिवारी, शुभम उपाध्याय, जगदीश उपाध्याय, श्याम नारायण सहित दर्जनों लोग मौजूद रहें। संचालन प्रवक्ता संजय उपाध्याय ने किया।

दर्शन करने जा रहे चार दोस्तों की कार बोलेरो से टकराई एक की मौत, तीन गम्भीर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर थानांतर्गत खाटू श्याम जयपुर राजस्थान दर्शन करने जा रहे चार दोस्तों की बोलेनो कार की बोलेरो से आमने–सामने की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में एक की मौत हो गई जबकि तीन युवकों को गम्भीर हालत में जयपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बीती रात एक बजे की है।23 मार्च को मुंगराबादशाहपुर से हर्षित केशरी (25) निवासी आदर्श कालोनी स्टेशन रोड,शिवम् सोनी (23) निवासी साहबगंज, शिवम उमरवैश्य (22) निवासी नईबाजार व बोलेनो वाहन मालिक शेबू उमरवैश्य (26) निवासी सीडा सतहरिया मथुरा, वृंदावन और खाटू श्याम जयपुर राजस्थान दर्शन के लिए निकले। मथुरा, वृंदावन मन्दिरों के दर्शन पूजन करने के बाद चारों दोस्त खाटू श्याम मंदिर जयपुर राजस्थान दर्शन के लिए निकले।

वाहन शेबू उमरवैश्य चला रहे थे।आगे की सीट पर हर्षित केशरी बैठे हुए थे। पिछली सीट पर शिवम् सोनी, शिवम् उमरवैश्य बैठे हुए थे। जयपुर के पास एक टर्निंग प्वाइंट पर बोलेनो कार की बोलेरो वाहन से आमने सामने की भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गये।हादसे के बाद कोहराम मच गया। स्थानीय लोग मदद के लिए जुट गए।पुलिस भी मौके पर पहुंचीं और चारों युवकों को गाड़ी से बाहर निकल कर जयपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान मंगलवार की सुबह 8 बजे हर्षित केशरी की मौत हो गई। जबकि शिवम् सोनी, शिवम् उमरवैश्य व शेबू उमरवैश्य को गम्भीर हालत में जयपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घटना की जानकारी परिजनों को रात दो बजे हुई तो घर में मातम छा गया। परिवार के सदस्य जयपुर राजस्थान के लिए निकल गए हैं।

डीआईओएस कार्यालय सुल्तानपुर में हुई मारपीट, एफआईआर दर्ज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

सुल्तानपुर। घनश्याम मिश्र सुत स्व० रामकुमार मिश्र ने थाना पुलिस को दी तहरीर में कहा कि पंडित रामबली मिश्र श्री शोभाराम राष्ट्रीय इंटर कालेज चंदीपुर सुलतानपुर मे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है। स्कूल कार्य हेतु डी0आई0ओ0एस० आफिस सुलतानपुर आया है यहाँ पर परिसर में बजरंग दूबे सुत दयाशंकर दूबे निवासी पिपरी साईनाथपुर थाना कूरेभार जिला सुलतानपुर जिनके साथ अन्य दो लोग और थे आये और भद्दी भद्दी गालियां देते हुए कहा कि साले कौन सा कागजात लेकर आये हो दिखाओ मैने कहा कि विद्यालय से सम्बंधित काजजात मै आपको नही दिखा सकता। इतने पर बजरंग दूबे ने मेरा कालर पकड़कर ढकेल दिया और लात मूको से मारा और गोली मार देने की धमकी देते हुए सभी लोग चले गए।

फिर मैं आफिस मे गया डी0आई0ओ0एस० आफिस लेखा कार्यालय सुलतानपुर में जमा किया।

उपरोक्तदस्तावेज का प्रयोग करके दे सकते है वोट - उप जिला निर्वाचन अधिकारी

सिर्फ पर्ची से नही चलेगा काम साथ लाना होगा ये दस्तावेज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 हेतु मतदाता फोटो पहचान पत्र के विकल्प के सम्बन्ध में प्रतिरूपण को रोकने की दृष्टि से मतदान के समय मतदाता को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा, परन्तु ऐसे मतदाता जो अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए निम्नलिखित वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा यथाः– आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकोध डाकघरो द्वारा जारी की गई फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेन्स, पैन कार्ड, एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा किये गये स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्रध्राज्य सरकारध लोक उपक्रमध्पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किये गये फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों/विधान परिषद सदस्यों द्वारा जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र, और यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार में से कोई एक लाना होगा। एपिक में प्रविष्टियों की मामूली विसंगतियों को नजर अन्दाज कर देना चाहिये, बशर्ते मतदाता की

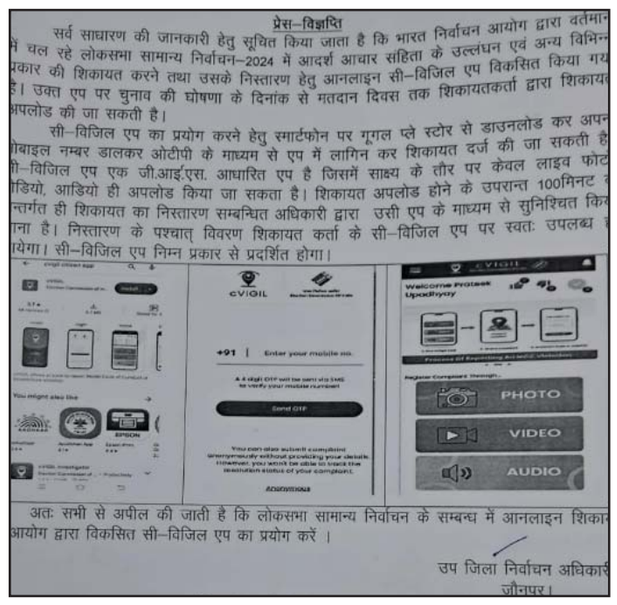

प्रेस–विज्ञप्ति

सर्व साधारण की जानकारी हेतु सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्तमान में चल रहे लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन एवं अन्य विभिन्न प्रकार की शिकायत करने तथा उसके निस्तारण हेतु आनलाइन सी–विजिल एप विकसित किया गया है। उक्त एप पर चुनाव की घोषणा के दिनांक से मतदान दिवस तक शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत अपलोड की जा सकती है।

सी–विजिल एप का प्रयोग करने हेतु स्मार्टफोन पर गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर अपना मोबाइल नम्बर डालकर ओटीपी के माध्यम से एप में लागिन कर शिकायत दर्ज की जा सकती है। सी–विजिल एप एक जी.आइ.एस. आधारित एप है जिसमें साक्ष्य के तौर पर केवल लाइव फोटो, वीडियो, आडियो ही अपलोड किया जा सकता है। शिकायत अपलोड होने के उपरान्त 100मिनट के अन्तर्गत ही शिकायत का निस्तारण सम्बन्धित अधिकारी द्वारा उसी एप के माध्यम से सुनिश्चित किया जाना है। निस्तारण के पश्चात् विवरण शिकायत कर्ता के सी–विजिल एप पर स्वतः उपलब्ध हो जायेगा। सी–विजिल एप निम्न प्रकार से प्रदर्शित होगा।

अतः सभी से अपील की जाती है कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन के सम्बन्ध में आनलाइन शिकायत आयोग द्वारा विकसित सी–विजिल एप का प्रयोग करें।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी
जौनपुर।

पहचान एपिक द्वारा सुनिश्चित की जा सके। यदि कोई मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रदर्शित करता है, जो कि किसी अन्य विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जारी किया गया है,ऐसे एपिक भी पहचान स्थापित करने हेतु स्वीकृत किये जायेंगे, बशर्ते निर्वाचक का नाम,जहां वह मतदान करने आया है, उस मतदेय स्थल से सम्बन्धित निर्वाचक नामावली में उपलब्ध होना चाहिये। फोटोग्राफ इत्यादि के बेमेल होने के कारण मतदाता की पहचान सुनिश्चित करना सम्भव न हो, तब मतदाता को उपरोक्त वैकल्पिक फोटो दस्तावेज को प्रस्तुत करना होगा।उपरोक्त किसी भी बात के होते हुये भी प्रवासी निर्वाचक, जो अपने पासपोर्ट में विवरणां के आधार पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 20क के अधीन निर्वाचक नामावलियों में पंजीकृत हैं, उन्हें मतदान केन्द्र में उनके केवल मूल पासपोर्ट(तथा किसी अन्य पहचान दस्तावेज के आधार पर नहीं) के आधार पर ही पहचाना जायेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की सुविधा हेतु मतदाता सूचना पर्ची बीएलओ के माध्यम से मतदान तिथि से कम से कम 05 दिन पूर्व वितरित करने के निर्देश दिये गये है। मतदाता सूचना पर्ची पर मतदेय स्थल, मतदान का दिनांक व समय आदि का उल्लेख रहता है। मतदाता सूचना पर्ची को मतदाता के पहचान दस्तावेज के रूप में नहीं माना जायेगा। मतदाता को अपनी पहचान सिद्ध करने कें लिये मतदाता सूचना पर्ची के साथ वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक साथ लाना अनिवार्य होगा।

अराजक तत्वों ने पंडित दीनदयाल की मूर्ति को किया क्षतिग्रस्त, भाजपा नेताओं में आक्रोश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर कोतवाली थाना अंतर्गत नगरपंचायत सीमा पर सरोखनपुर गांव में राम–जानकी तिराहे पर स्थित भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के चिन्तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की आदमकद प्रतिमा को अराजकतत्वों ने सोमवार देर रात सिर को धड़ से अलग कर तोड़ दिया उनके सर को वहीं नीचे रखकर अराजक तत्व फरार हो गए। मंगलवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने उनकी मूर्ति टूटी देखी तो आसपास के लोगों को सूचना दिया साथ पुलिस को भी सूचना दिया मौके पर पहुंची पुलिस अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुड़ गई है। मूर्ति टूटने की सूचना मिलते ही काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए मूर्ति को लेकर लोगों में काफी आक्रोश है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर चेयरमैन सीमा सिंह के प्रतिनिधि वैभव सिंह सहित भाजपा नेताओं में उन्नत सिंह ,हरी लाल मोदनवाल ,सुशील निगम, साहबलाल चौधरी, पवन उपाध्याय, योगेश पाण्डेय, हरिनाथ मौर्या, सभी सफाईनायक आदि की भारी भीड़ जमा हो गयी। चेयरमैन प्रतिनिधि की सूचना पर थानाध्यक्ष रोहित मिश्र मय हमराही सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंच गये। घटना स्थल से प्रतिमा को क्षतिग्रत करने में शामिल छेनी तथा हथौड़ी कब्जे में लेकर पुलिस जांच पड़ताल में जुट गयी हैं।इस संबंध में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने बताया कि वार्ड नम्बर छ के सभासद राजू की तहरीर पर अज्ञात अराजकतत्वों के खिलाफ प्रतिमा तोड़ने का केस दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। गौरतलब है कि पूर्व में भी दीपावली के पर्व पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क को विद्युत झालर से सजाया गया था। चोर रात को पार्क में लगा वाटर कूलर तथा झालर उठा ले गये ।वही इस मामले में अधिशासी अधिकारी डा0 अनुपम सिंह ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर क्षतिग्रस्त प्रतिमा को पुनर्स्थापित कराया जाएगा।

मनबढ़ दबंगो ने युवक को पीटा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली थाना अंतर्गत मामुली विवाद को लेकर मंगलवार की देर रात जौनपुर मुख्य मार्ग समीप रसूलपूर मोड़ पर मनबढ़ दबंगों ने मामुली विवाद को लेकर एक युवक को पीटकर घायल कर दिया। जानकारी के मुताबिक मंगलवार की शाम रोजा रफ्तारी कर घर लौटते समय जौनपुर मुख्य मार्ग स्थित रसूलपुर मोड़ पर घात लगाकर बैठे मनबढ दबंगों ने सबरहद रसूलपुर गांव निवासी अरबाज (22)पुत्र समसाद को मामुली विवाद को लेकर लाठी डंडे से पीटकर घायल कर दिया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।चिकित्सकों ने इलाज के दौरान हालत गंभीर देखकर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। इस संबंध में पूछे जाने पर थानाध्यक्ष तारकेश्वर राय ने बताया मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। कार्यवाई की जा रही है।

पांच विद्यालय निपुण लक्ष्य को प्राप्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर विकास क्षेत्र के पांच परिषदीय विद्यालय निपुण लक्ष्य को प्राप्त कर चुके हैं ।

यह जानकारी खण्ड शिक्षा अधिकारी शिखा मिश्रा ने दी है। उन्होंने बुद्धवार को क्षेत्र में दर्जन भर से ज्यादा प्राथमिक व कम्पोजिट विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण कर कक्षा एक से तीन तक के बच्चों की प्रतिभा का मूल्यांकन कर परीक्षण किया । उनमें उन्होंने पाया कि कम्पोजिट विद्यालय हिम्मतपुर, कम्पोजिट विद्यालय ऊदपुरगेल्हवा, प्राथमिक विद्यालय रूपचन्दपुर,प्राथमिक विद्यालय मुरादपुर कोटिला , प्राथमिक विद्यालय हरिहरगंज ने निपुण लक्ष्य हासिल किया है । शेष विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को उन्होंने निर्देशित किया कि माह अक्तूबर तक किसी भी दशा में सभी विद्यालय निपुण लक्ष्य हासिल करना सुनिश्चित करें

मंडलीय कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राजभाषा के प्रसार–प्रसार एवं सरकारी कामकाज सहित दैनिक जीवन में राजभाषा के अधिकाधिक प्रयोग हेतु आज दिनांक 27 मार्च 2024 दिन बुधवार को उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के लखनऊ स्थित मंडलीय कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक, एस. एम. शर्मा की अध्यक्षता में हिंदी विभाग द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन समिति

की बैठक का आयोजन किया गया द्य इस बैठक में राजभाषा का प्रचार–प्रसार करने एवं अधिकारियों तथा कर्मचारियों को सरकारी कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के प्रति प्रेरित किया गया, साथ ही हिन्दी संबंधी कार्यकलापों एवं गतिविधियों को आयोजित करते हुए नीतियों को अमल में लाने के लिए मंथन एवं विचार विमर्श किया गया। इस बैठक का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है जिसका उद्देश्य हिन्दी के प्रयोग संबंधी कलापों को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुए सर्वप्रथम अपर मुख्य राजभाषा अधिकारीध्अपर मंडल रेल प्रबंधक, शिवेन्द्र शुक्ला ने सभी का स्वागत किया तथा राजभाषा विभाग की उपलब्धियों तथा इसके प्रचार–प्रसार की दिशा की भावी योजनाओं से मण्डल रेल प्रबंधक को अवगत कराया। बैठक को आगे बढ़ाते हुए रेलवे में हिंदी भाषा की उपयोगिता, आवश्यकता एवं अनिवार्यता का उल्लेख करते हुए मण्डल रेल प्रबंधक ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद किया एवं इस दिशा में अपने सुझाव एवं निर्देश पारित किए। इस अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा लखनऊ मण्डल को प्रदत्त मण्डल स्तर पर हिन्दी में सर्वोत्तम कार्य करने हेतु राजभाषा शील्ड को मण्डल रेल प्रबंधक द्वारा अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी को प्रदान किया गया।

बैठक में राजभाषा के प्रति अपने विचार प्रकट करते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि हिन्दी की सरलता और स्पष्टता के कारण हिन्दी सभी भाषाओं में सर्वोच्च स्थान पर है ष उन्होंने महाप्रबंधक द्वारा प्रदत्त शील्ड प्राप्ति हेतु मण्डल के हिन्दी विभाग को अपनी शुभकामनाएं देते हुए मण्डल कार्यालय के पुस्तकालय के पुस्तक कोश में वृद्धि करने तथा स्टेशनों पर स्थित पुस्तकालयों को यात्रियों हेतु खोलने की बात कही एवं ई–ऑफिस में हिन्दी का प्रयोग करने तथा हिन्दी भाषा के एक प्रबल नेतृत्वकर्ता के रूप में कार्य करने की बात कही ष इसके अतिरिक्त उन्होंने राजभाषा विभाग को निर्देशित किया कि वे प्रतिमाह मण्डल के प्रत्येक स्टेशन पर एक हिन्दी संबंधी गतिविधि का नियमित रूप से आयोजन कराएं साथ ही उन्होंने समस्त रेलकर्मियों का आवाहन करते हुए सभी से अपनी रेलसेवा के दौरान एवं अपने दैनिक जीवन में हिंदी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग करने की अपेक्षा की।

इस बैठक में कार्यकारी राजभाषा अधिकारी/सहायक मण्डल वित्त प्रबंधक, श्री वीरेश कुमार यादव, मंडल के सभी विभागों के शाखा ध्यक्ष, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस मुख्यालय में होली मिलन समारोह आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आज दिनांक 27.03.2024 को पुलिस मुख्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश प्रशांत कुमार द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को होली की बधाई एवं पर्व को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश पुलिस की सराहना की गई।

संचारी/दस्तक अभियान के तहत सफाई कर्मियों को गया प्रशिक्षित

अयोध्या। संचारी/दस्तक अभियान के तहत नगर पंचायत भरत कुण्ड के भदरसा मे सफाई नायक व सफाई कर्मचारियों को टीसी अमित कुमार द्वारा प्रशिक्षित किया गया। इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद सभी सफाई नायक व सफाई कर्मचारियों को से कहा कि आने वाले दिनों में स्वच्छता अभियान चलाये।उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सफाई कर्मचारी शहरी क्षेत्र मे फॉगिंग करवाये।स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए अति संवेदनशील क्षेत्रों की सूची मे शामिल स्थानों पर सघन वेक्टर नियंत्रण करवाये।नगरीय क्षेत्रों मे वातावरणीय तथा व्यक्तिगत स्वच्छता अभियान के उपायों खासकर शुद्ध पेयजल के प्रयोग तथा मच्छरों की रोकथाम हेतु जन–जागरूकता अभियान संचालित कराये।खुली नालियों को ढकना,कूड़े कचरों की सफाई कराना।खराब हेंडपम्पो का प्रयोग रोकने के लिए उन्हें लाल रंग से चिन्हित कर हैंडपम्पो के पाइप को चारों ओर से कंक्रीट से बन्द करे।इस मौके पर ब्लॉक मोबिलायजर कोर्डिनेटर यूनिसेफ प्रतिनिधि धीरेन्द्र

नाथ पाण्डेय ने कहा कि आप सभी अपने अपने क्षेत्रों में लोगों को सोते समय मच्छर दानी का प्रयोग करने,ताजा भोजन करने,कूलर का पानी नियमित रूप से बदलते रहने के प्रेरित करे।इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग से बी.एच. डब्लू बिपिन गुप्ता,मोहम्मद शारीक खान,नोमान सहित सफाई नायक व सफाई कर्मी उपस्थित रहे।

अनाधिकृत वेंडरों के विरुद्ध औचक जांच का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर रेलवे,लखनऊ मंडल द्वारा अवैध एवं अनाधिकृत वेंडरों की रोकथाम एवं इनपर अंकुश लगाने हेतु विभिन्न प्रकार की जांच प्रक्रियाओं को अमल में लाया जाता है द्य इसी क्रम में त्यौहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए आज दिनांक 27.03.2023 को मंडल के वाणिज्य विभाग की कैटरिंग टीम एवं रेल सुरक्षा बल द्वारा अनाधिकृत वेंडरों के विरुद्ध संयुक्त रूप से एक औचक जांच का आयोजन किया गया। इस जांच के दौरान टीम द्वारा गाड़ी संख्या 13308 (फिरोजपुर–धनबाद गंगा सतलुज एक्सप्रेस) के बाराबंकी स्टेशन पहुँचने पर सघन जांच की गयी एवं इस जांच के दौरान 02 वेंडरों को गाड़ी पर अनाधिकृत रूप से बिना किसी वैध प्राधिकार पत्र के खाने पीने का सामान बेचते हुए पाया गया एवं इसी क्रम में प्लेटफॉर्म संख्या दो एवं तीन पर जांच के दौरान जांच टीम को देखते ही अनाधिकृत वेंडर अपना खाने पीने का सामान छोड़कर भाग गए। उक्त गाड़ी पर पकड़े गए दोनों वेंडरों से पूछताछ करने इन दोनों व्यक्तियों के पास से खाने पीने का सामान गाड़ियों एवं प्लेटफार्म पर बेचने सम्बन्धी कोई वैध प्राधिकार पत्र नहीं पाया गया। अतः उपरोक्त अनाधिकृत वेंडरों को इनके पास से पाए गए सामान सहित अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु रेल सुरक्षा बल बाराबंकी के सुपुर्द कर दिया गया।

अगर मुझे मौका मिला तो मैं किसी अधिवक्ता का उत्पीड़न नहीं होने दूंगा – रामउग्रह शुक्ला एडवोकेट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रामउग्रह शुक्ला एडवोकेट हाई कोर्ट लखनऊ पीठ ने कहा कि बौद्धिक विद्वान साथियों मैं राम उग्रह शुक्ल आपके बीच में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश चुनाव में सदस्य पद के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहा हूं, मैंने शिक्षा में सुधार के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय से चुनाव लड़ने की शुरुआत की थी, दो बार पी. एन. बार एसोसिएशन लखनऊ में महामंत्री भी रह चुका हूँ,

करोना काल में पहली लहर में लगातार 125 दिन तक और दूसरी लहर में 75 दिन तक लाकडाउन में भोजन दवाई मास्क सैनिटाइजर से बिना किसी भेद भाव से नर सेवा नारायन समझ कर किया था और ये काम हम बचपन से अभी तक करता आ रहा हूँ यहाँ तक अपने मकान बनवाने के लिए रखे पैसे भी खर्च कर दिये थे करोना काल में लोगों के बीच में सहयोग की भावना से लगातार लगे रहने से प्रभावित होकर हमारे माननीय अधिवक्ता साथियों ने मुझे अधिवक्ता हक की में लड़ाई लड़ने के लिए चुनाव लड़ने हेतु प्रेरित किया क्योंकि मैंने देखा कि जब अधिवक्ता आंदोलन चल रहा था उस समय जिन लोगों को अधिवक्ताओं की लड़ाई लड़नी थी वह राजनीतिक पार्टियों के खेमे में चलकर इस लड़ाई को कमजोर कर रहे थे, जिनको हमने अपनी लड़ाई लड़ने के लिए चुनकर भेजा था इससे अधिवक्ताओं की पहली बार लड़ाई कमजोर हो गई और इतनी बड़ी लड़ाई लड़ने के बाद भी हमको जीत हासिल नहीं हो पाई, इसलिए आज जरूरत है कि अधिवक्ताओं की हित की लड़ाई लड़ने के लिए हमारे चुने हुए सदस्य निर्भीक ईमानदार और जुझारू प्रवृति के चुने जाएं, इसके लिए चुने वाले सभी 25 सदस्यों को आप लोग निःस्वार्थ भावना से ईमानदारी से चुनिए इसको लेकर मेरी प्रार्थना निवेदन के रूप में अंतरात्मा की आवाज पर ग्रहण कीजिये क्योंकि अगर विद्वान अधिवक्ता ही धनबल पर बिकाऊ होकर वोट देने लगेंगे तो समाज में जो संदेश जायेगा वो तो जायेगा ही लेकिन अधिवक्ताओं के लिए लड़ने वाले हमारे बार काउंसिल सदस्य भी बिकाऊ सदस्य की तरह उचित कीमत मिलने पर किसी के भी आगे झुक जायेंगे

, मैंने देखा है कि अधिकतर अधिवक्ता 5 से 10 जिला मेंटेनध मैनेज करके चुनाव जीत लेते हैं, क्योंकि मुझे अधिवक्ताओ की लड़ाई हक के रूप में लड़नी है और उनकी मांगों को पूर्ण करवाने के लिए संघर्ष करना है इसलिए मैं प्रदेश के सभी 75 जिलों में और जितनी तहसीलों में पहुंच पाऊं वहां तक पहुंचने का प्रयास कर रहा हूं, क्योंकि चुनाव लड़ने के साथ–साथ मेरा मुख्य उद्देश्य है कि अधिवक्ताओं की सही

मांगों को और उनकी परेशानियों को समझना जिससे उसके निराकरण के लिए उचित कदम उठा सकूं इसके लिए हर जिले और हर तहसील तक पहुंचाना ही मेरा प्रथम लक्ष्य है इसके साथ साथ मेरा दूसरा लक्ष्य है कि सभी जिलों से वोट प्राप्त किया जाये,

'1)– सभी जिलों में अधिवक्ताओं के समस्याओं की जानकारी होना'

'2)– सभी जिलों के अधिवक्ताओं से सीधा जुड़ना'

'3)– सभी जिलों के अधिवक्ताओं की उचित मांगों को अपने मांग पत्र में शामिल करना'

'4)– अधिवक्ता हितों के लिए पूरे प्रदेश के अधिवक्ताओं का एक व्यापक समूह तैयार करना'

'साथियों,' विद्वान अधिवक्ताओं की इस लड़ाई में मेरा लक्ष्य है कि इस महत्वपूर्ण चुनाव को धनबल बाहुबल और क्षेत्रीयवाद से दूर करके केवल अधिवक्ता हितों पर ही सीमित किया जाए और पूरे प्रदेश का कोई भी अधिवक्ता बंधु हो वह अपनी बात प्रमुखता निर्भीकता के साथ रख सके मैं विश्वास दिलाता हूँ 'अगर मुझे मौका मिला तो मैं किसी अधिवक्ता का उत्पीड़न नहीं होने दूंगा इसके लिए मुझे किसी भी स्तर पर क्यूँ न उतरना पड़े!'

'आप सभी लोग अपनी उचित मांगों को मुझे भेजिए जिसको मैं अपने संकल्प पत्र में शामिल कर सकूं !'

इसके लिए प्रथम चरण में मैं 35 से ज्यादा जिलों का दौरा कर चुका हूं,

'अलग–2 जिलों से अधिवक्ता भाइयों बहनों और बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के फोन संदेश उनके जिले में आने के लिएष निरंतर प्राप्त हो रहें हैं और अब मुझे लगने लगा है ये चुनाव मैं नहीं अधिवक्ता साथी खुद लड़ रहें हैं!'

अधिकतर जगह अधिवक्ता भाइयों और बार पदाधिकारियों ने मुझसे कहा कि 'इस बार मैं प्रथम वरीयता का वोट आपको दूंगा अगर आप लोग मुझे इस योग्य समझेंगे और कोई भी वरीयता का वोट देंगे तो भी मैं अपने आप को धन्य समझ पाऊंगा

क्योंकि मुझे यह समर्थन अपनी मांग पत्र पर सभी अधिवक्ताओं की मुहर चाहिए वह भी निःस्वार्थ, 'लेकिन जितने लोगों से मिलना हुआ हो या जो भी बहन भाई आदरणीयध आदरणीया मेरा संदेश पढ़ रहें हों सबसे मेरा अनुरोध रहा है और है भी कि अपना एक वोट (चाहे जिस वरीयता पर हो) मुझे अधिवक्ता हित की लड़ाई के लिए अवश्य दें जिससे मैं अपने संकल्प में कामयाब हो सकूं और आपकी लड़ाई को पूरा कर सकूं!

पीजीआई पुलिस ने तीन अभियुक्त किए गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डीसीपी ईस्ट लखनऊ प्रबल प्रताप सिंह ने कहा कि दिनांक 26.03.2023 को एस0बी0 शिरडकर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट लखनऊ, प्रबल प्रताप सिंह पुलिस उपायुक्त पूर्वी व अमित कुमावत अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी के निर्देशन में एवं पंकज कुमार सिंह सहायक पुलिस आयुक्त कैन्ट लखनऊ के कुशल पर्यवेक्षण में प्र०नि० ब्रजेश चन्द्र तिवारी प्रभारी निरीक्षक थाना–पीजीआई के नेतृत्व में चौकी प्रभारी वृन्दावन उ0नि0 विकास कुमार तिवारी, उ0नि0 विजय कुमार पाल, हे0का0 आशुतोष सिंह. हे0का0 नन्दलाल पटेल, हे0का0 धर्मेन्द्र सिंह मु0अ0सं0 172/2024 धारा 308/325/323/504/506 भादवि व मु0अ0स0 173/2024 धारा 307/323/504/506 भादवि व 3(2)5 एससीध्एसटी एक्ट भादवि की विवेचनात्मक कार्यवाही व पतारसी सुरागरसी में मामूर थे इसी मुकदमे का अभियुक्त अमित बाजपेई पुत्र लक्ष्मी नारायण बाजपेई निवासी बी 602 शिवाग्रीन अपार्टमेन्ट सेक्टर 14 वृन्दावन योजना थाना पीजीआई लखनऊ को ट्रामा सेन्टर के पास से गिरफ्तार कर अभियुक्त के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया तथा मु0अ0सं0 172/2024 धारा 308/325/323/504/506 भादवि में नामजद आरोपी 1. बलदेव सिंह चौहान उर्फ सैलू पुत्र स्व० विजय सिंह उम्र 39 वर्ष निवासी बी 306 मंगलम निकेत शास्त्री पुरम थाना सिकन्दरा जनपद आगरा हालपता ए607 शिवाग्रीन अपार्टमेन्ट सेक्टर 14 वृन्दावन योजना जनपद लखनऊ के कब्जे से डन्डे व लकड़ी के पटरे की बरामदगी हुई है। 2. अरविन्द कुमार पुत्र राजाराम चौधरी उम्र 39 वर्ष निवासी विकास नगर निकट विश्वनाथ पुरम कालोनी थाना सुभाष नगर जनपद बरेली हाल पता ए405 शिवाग्रीन अपार्टमेन्ट सेक्टर 14 वृन्दावन योजना जनपद लखनऊ की गिरफ्तारी कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

घटना का संक्षिप्त विवरण बताते हुए पुलिस उपायुक्त पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह ने कहा कि मु0अ0स0 173/2024 धारा 307/323/504/506 भादवि व 3(2)5 एससीध्एसटी एक्ट थाना पीजीआई लखनऊ बनाम अभियुक्त अमित बाजपेई पुत्र लक्ष्मी नारायण बाजपेई निवासी बी 602 शिवाग्रीन अपार्टमेन्ट सेक्टर 14 वृन्दावन योजना थाना पीजीआई लखनऊ व मु0अ0सं0 172/2024 धारा 308/325/323/504/506 भादवि बनाम अभियुक्त बलदेव सिंह चौहान उर्फ सैलू पुत्र स्व० विजय सिंह उम्र 39 वर्ष निवासी बी 306 मंगलम निकेत शास्त्री पुरम थाना सिकन्दरा जनपद आगरा हालपता ए607 शिवाग्रीन अपार्टमेन्ट सेक्टर 14 वृन्दावन योजना जनपद लखनऊ 2. अरविन्द कुमार पुत्र राजाराम चौधरी उम्र 39 वर्ष निवासी विकास नगर निकट विश्वनाथ पुरम कालोनी थाना सुभाष नगर जनपद बरेली हाल पता ए405 शिवाग्रीन अपार्टमेन्ट सेक्टर 14 वृन्दावन योजना जनपद लखनऊ, अभियुक्त अमित बाजपेई द्वारा पार्किंग मे अपनी गाड़ी खड़ी करते समय विपक्षीगण अरविन्द कुमार, यश चौहान व बलदेव सिंह के मध्य बात विवाद व गाली गलौज होने लगा बात बढ़ने पर विपक्षी अरविन्द कुमार, यश चौहान, बलदेव सिंह चौहान ने अमित बाजपेई को बांस की फट्टियो व पटरे से मारना शुरू कर दिया जिससे उसको चोटे आयी है अमित बाजपेई द्वारा भी अपनी गाड़ी के चाबी में लगी चाकू से बलदेव सिंह व यश चौहान के ऊपर वार किया गया बलदेव व यश चौहान को काफी चोटे आयी यश चौहान अब भी आईसीयू में इलाज हेतु भर्ती है एंव वेंटीलेटर पर है। बलदेव सिंह को बाद इलाज डिस्चार्ज किया गया है तथा अमित बाजपेई को भी इलाज के बाद डिस्चार्ज किया गया है घटना की सूचना पर पुलिस बल द्वारा मौके पर पहुंच कर मौके पर शांति व्यवस्था स्थापित की गयी। अभियोग में नामित अभियुक्त अरविन्द कुमार, बलदेव सिंह व अमित बाजपेई को ट्रामा सेन्टर के बाहर गिरफ्तार किया गया आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। अभियुक्त अरविन्द कुमार पुलिस विभाग में उ0नि0 के पद पर पुलिस लाइन लखनऊ में सेवारत है उन्हे तत्कालिक प्रभाव से निलंम्बित किया जा चुका है।

बैंड सनम ने फीनिक्स पलासियो में अपने यादगार प्रदर्शन से मचाई धूम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रसिद्ध बॉय बैंड ष्सनमष ने लखनऊ के फीनिक्स पलासियो में अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। बैंड

ने बॉलीवुड की क्लासिक धुनों को अपने अनोखे अंदाज में गाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह बहुप्रतीक्षित शानदार प्रदर्शन उनके 2024 भारत दौरे का छठा पड़ाव था। शाम की शुरुआत प्रतिभाशाली – सनम पुरी, समर पुरी, वेंकी एस और केशव धनराज के मंच पर उतरने के साथ हुई। मधुर धुनों और कभी पुरानी न होने वाली बॉलीवुड धुनों को अपना अंदाज देने के लिए प्रसिद्ध, सनम के दमदार गायन और मंच पर उपस्थिति ने लखनऊ के संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यूट्यूब पर 11.1 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर होने के चलते, बैंड सनम की लोकप्रियता भौगोलिक सीमाओं के पर है। इस कार्यक्रम ने संगीत प्रेमियों को एक अविस्मरणीय शाम बिताने का अवसर दिया, जो ऊर्जा और मस्शूर बॉलीवुड गीतों के जादू से रंगी हुई थी। फीनिक्स मिल्स के सीनियर सेंटर डायरेक्टर संजीव सरीन ने बताया, ष्फीनिक्स पैलेसियो में सनम का यादगार प्रदर्शन हमारे मॉल में आने वाले ग्राहकों के अनुभव को बढ़ाने के हमारे निरंतर प्रयासों का एक प्रमाण था। हम इस तरह के एक यादगार कार्यक्रम की मेजबानी करके खुश हैं, जिसने हमारे शॉपर्स को एक न भूलने वाली शाम बिताने का मौका दिया। यह शाम दिल को छू देने वाले आत्मीय संगीत और मनोरंजन से भरी हुई थी। लखनऊ में सनम के यादगार प्रदर्शन ने एक बार फिर भारतीय संगीत जगत में अग्रणी शक्ति के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत किया है। बैंड का भारत दौरा देश भर के दर्शकों को रोमांचित कर रहा है, जो हर शहर में पुराने गीतों और संगीत के आनंद की लहर लेकर पहुंच रहा है।

साथ में बैठकर पी शराब, फिर सिर कूचकर उतारा मौत के घाट

सोनभद्र, संवाददाता। सोनभद्र जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सदर कोतवाली क्षेत्र के बसौली गांव में मंगलवार को खेत में युवक का खून से लथपथ शव मिलने से हड़कंप मच गया। भारी वस्तु से प्रहार कर हत्या के बाद शव खेत में फेंक दिया गया था। घटना के पीछे शराब पीने के दौरान हुए विवाद को कारण माना जा रहा है। पुलिस शव कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई है। एक युवक को हिरासत में भी लिया गया है।

यह है पूरा मामला

बसौली गांव के बैगा टोला निवासी नंदू (40) मंगलवार की सुबह गांव के ही एक युवक के साथ बैठकर शराब पी रहा था। शराब पीने के दौरान दोनों में कहासुनी हुई, जो मारपीट में बदल गई। इसी विवाद में नंदू के सिर पर किसी भारी वस्तु से वार कर साथी युवक ने हत्या कर दी। शव को पास के रामसूरत के खेत में फेंककर फरार हो गया। सूचना पाकर परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही घटना की जानकारी पुलिस को दी। एएसपी कालू सिंह, सदर कोतवाली सत्येंद्र राय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी। एएसपी ने बताया कि शराब पीने को लेकर विवाद में हत्या की आशंका जताई जा रही है।

संदेह के आधार पर एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शीघ्र ही घटना का खुलासा किया जाएगा। उधर, घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मच गया। नंदू खेती व मजदूरी करता था। उसकी तीन बेटियां व एक बेटा है। पत्नी और बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।